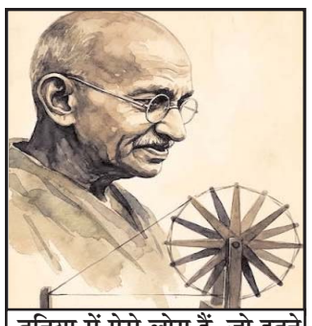
दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-247 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) शुक्रवार 13 नवम्बर 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना



दुनिया में ऐसे लोग हैं, जो इतने भूखे हैं कि भगवान उन्हें किसी और रूप में नहीं दिख सकता सिवाय रोटी के रूप में।

संसद का विशेष सत्रः महिला आरक्षण पर फिर सदन में शक्ति परीक्षण की तैयारी, 361 वोट जुटाने का सरकार को भरोसा

नई दिल्ली (ए)। महिला आरक्षण लागू करने से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए केंद्र सरकार संसद का विशेष सत्र बुलाने की तैयारी में है। सरकार को विधेयक के पक्ष में जरूरी 361 वोट मिलने और 15-18 वोटों के अंतर से जीत का भरोसा है। प्रस्ताव के तहत लोकसभा की सीटें 543 से बढ़ाकर अधिकतम 850 करने और महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की योजना है। सरकार इसे 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले लागू करना चाहती है।

सरकार महिला आरक्षण लागू करने से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की योजना बना रही है। सूत्रों ने विश्वास व्यक्त किया है कि सरकार को इस विधेयक पर 15 से 18 वोटों के अंतर से जीत मिलेगी। विधेयक को पारित कराने के लिए दो-तिहाई बहुमत यानी 361 वोटों की आवश्यकता होगी। वर्तमान में लोकसभा में कुल



543 सीटें हैं, जिनमें से तीन सीटें अभी रिक्त हैं।

प्रस्तावित संशोधन का उद्देश्य लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों को परिसीमन के जरिये अधिकतम 850 तक बढ़ाना है। यह कदम संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण लागू करने का मार्ग प्रशस्त करेगा। यह पहल ऐसे समय में हो रही है जब 17 अप्रैल को बजट सत्र के दौरान एक समान संविधान संशोधन विधेयक लोकसभा में आवश्यक संख्या हासिल करने में विफल रहा था। सरकार को विश्वास है कि उसके पास विधेयक पारित कराने के लिए पर्याप्त संख्या बल है। हालांकि, सरकार ने प्रस्तावित विशेष सत्र की तारीखों या उसकी अवधि का अभी खुलासा नहीं किया है।

सत्र बुलाने की प्रक्रिया

संसद का मानसून सत्र 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था। हालांकि, इसका अभी तक औपचारिक सत्रावसान नहीं हुआ है। यह सत्र अब 91 दिनों से बिना सत्रावसान के जारी है। इसने 2008 में बने 87 दिनों के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। मौजूदा सत्र के भीतर विस्तारित बैठक के लिए कम से कम दो दिन का नोटिस देना आवश्यक होता है। वहीं, एक नया सत्र बुलाने के लिए कम से कम 14 दिन का नोटिस देना अनिवार्य है। सरकार के मानसून सत्र को सत्रावसान न करने के निर्णय से विशेष बैठक की अटकलें तेज हो गई थीं।

सीटों में वृद्धि और आरक्षण का मसौदा

सरकार 2029 के संसदीय चुनावों से पहले महिला आरक्षण कानून को लागू करना चाहती है। इसके लिए सरकार सभी राज्यों के लिए लोकसभा सीटों में 50 फीसदी वृद्धि का प्रस्ताव कर रही है। इसका उद्देश्य दक्षिणी राज्यों की चिंताओं को दूर करना है। पहले के विधेयक पर आधारित नए मसौदे में 1971 की जनगणना के आधार पर मौजूदा अंतर-राज्यीय सीट अनुपातों को बरकरार रखने का प्रस्ताव है।

सरकारी सूत्रों ने बताया कि यह सरकार द्वारा विचाराधीन कई प्रस्तावों में से एक है। इस संबंध में अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है।

रसगुल्ला बताकर खिलाया सुअरमार बम, चबाते ही मुंह में हुआ धमाका; युवक की दर्दनाक मौत

डिंडौरी(ए.)। मध्य प्रदेश के डिंडौरी जिले में एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां एक युवक की कथित तौर पर सुअरमार बम के विस्फोट में जान चली गई। बताया जा रहा है कि उसके एक परिचित ने उसे बम को रसगुल्ला बताकर खाने के लिए दे दिया था। युवक ने जैसे ही उसे मिठाई समझकर मुंह में रखा और चबाया, जोरदार धमाका हो गया। विस्फोट इतना भीषण था कि उसका जबड़ा और मुंह बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना मंगलवार शाम पड़रिया छांटा गांव की है। मृतक की पहचान 35 वर्षीय राजेंद्र के रूप में हुई है।'द न्यू इंडियन एक्सप्रेस' की रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस को आशंका है कि युवक को जानबूझकर सुअरमार बम को मिठाई बताकर दिया गया था। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।डिंडौरी कोतवाली के थाना प्रभारी दुर्गा प्रसाद नागपुरे के अनुसार, मंगलवार शाम करीब 7 बजे राजेंद्र ने परिवार के साथ भोजन किया था। इसके बाद वह आंगन में आग के पास बैठकर ठंड से बच रहा था। इसी दौरान गांव में रहने वाला रामभगत बरौतिया वहां पहुंचा और उसके पास बैठ गया।दोनों के बीच बातचीत चल रही थी। इसी दौरान रामभगत ने कथित तौर पर राजेंद्र को एक सुअरमार बम यह कहते हुए दिया कि वह रसगुल्ला है। मिठाई समझकर राजेंद्र ने उसे मुंह में डाल लिया। जैसे ही उसने उसे चबाया, उसमें विस्फोट हो गया।धमाके के बाद राजेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उपचार के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। बुधवार को पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी करने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।पुलिस ने इस मामले में रामभगत बरौतिया के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 105 और विस्फोटक अधिनियम की धारा 3 और 4 के तहत केस दर्ज किया है।



भोपाल में जनता क्वार्टर खाली कराने के विरोध में पांच महिलाओं ने खाया जहर, हमीदिया अस्पताल में भर्ती



भोपाल (ए)। भोपाल के ऐशबाग स्थित जर्जर जनता क्वार्टर खाली कराने के विरोध में गुरुवार को पांच महिलाओं ने जहरीला पदार्थ खा लिया। सभी को हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हाउसिंग बोर्ड ने 13 नवंबर तक मकान खाली करने का नोटिस दिया है। राजधानी के ऐशबाग इलाके में स्थित जर्जर जनता क्वार्टर को तोड़ने की प्रशासनिक तैयारी के बीच गुरुवार को तनावपूर्ण स्थिति बन गई। मकानों को खाली कराने और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के विरोध में पांच महिलाओं ने जहरीला पदार्थ खा लिया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सभी महिलाओं को तत्काल हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया।

किश्तवाड़ में लापता दो एसपीओ के शव बरामद, आतंकियों की गोलीबारी के बाद से थे गायब

किश्तवाड़ ,(आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में बुधवार से लापता दो स्पेशल पुलिस ऑफिसर के शव गुरुवार सुबह बरामद किए गए। दोनों जवानों के शरीर पर गोलियों के निशान मिले हैं। उनके हथियार भी गायब बताए जा रहे हैं। घटना के बाद पूरे इलाके में हाई अलर्ट जारी कर सुरक्षा बलों ने बड़े पैमाने पर आतंकवाद विरोधी अभियान शुरू कर दिया है। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में दो लापता एसपीओ के शव मिलने से इलाके में तनाव का माहौल है। मृतकों की पहचान रशपाल कुमार (40) और बॉबी चंद (54) के रूप में हुई है। दोनों स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप से जुड़े थे। सुरक्षा बलों ने उनके शव कब्जे में



लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, एक जवान का शव सुबह करीब 8 बजे, जबकि दूसरे का शव लगभग 9 बजे बरामद किया गया। जंगल में गोलीबारी के बाद टूटा था जवानों से संपर्क जानकारी के मुताबिक, 11 नवंबर को दोपहर करीब 3:30 बजे मारवाह के देहरना जंगल में स्थानीय लोगों ने गोली चलने की आवाजें सुनी थीं। इसके कुछ ही समय बाद दोनों जवानों से संपर्क टूट गया। उनके मोबाइल फोन भी बंद हो गए थे।

बताया जा रहा है कि दोनों SPO बसनन इलाके में तैनात सेना की 17 राष्ट्रीय राइफल्स (17 RR) की एक टुकड़ी के साथ गश्त कर रहे थे और देहरना पोस्ट की ओर जा रहे थे। इसी दौरान उनसे संपर्क नहीं हो पाया। घटना की जानकारी मिलते ही सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज 1.24 करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों के खातों में 1,831 करोड़ रुपये से अधिक की राशि करेंगे अंतरित

शिवपुरी जिले के पिछोर से मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की 42वीं किस्त का होगा अंतरण
मुख्यमंत्री 221 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का करेंगे लोकार्पण एवं भूमि-पूजन



भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार, 13 नवंबर को शिवपुरी जिले के पिछोर से प्रदेश की 1 करोड़ 24 लाख 81 हजार 550 पात्र महिलाओं के बैंक खातों में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की 42वीं किस्त के रूप में 1,831 करोड़ 77 लाख रुपये से अधिक की राशि का अंतरण करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस अवसर पर शिवपुरी जिले में 221 करोड़ रुपये से अधिक के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन भी करेंगे।

लाड़ली बहनों को अब हर महीने मिल रहे 1,500 रुपये

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की शुरुआत जून 2023 में की गई थी। योजना के प्रारंभ में पात्र महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती थी। अक्टूबर 2023 में सहायता राशि बढ़ाकर 1,250 रुपये की गई। इसके बाद नवंबर 2025 से मासिक सहायता राशि में पुन: 250 रुपये की वृद्धि कर इसे 1,500 रुपये कर दिया गया। वर्तमान में पात्र महिलाओं को प्रतिमाह 1,500 रुपये की आर्थिक सहायता सीधे उनके आधार से जुड़े डीबीटी सक्रिय बैंक खातों में अंतरित की जा रही है। योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश की स्थानीय निवासी ऐसी विवाहित महिलाएं पात्र हैं, जिनकी आयु आवेदन के कैलेंडर वर्ष में एक जनवरी की स्थिति में 21 वर्ष पूर्ण हो चुकी हो तथा 60 वर्ष से कम हो। इनमें विधवा, तलाकशुदा और परित्यक्ता महिलाएं भी शामिल हैं। सामाजिक सुरक्षा पेंशन प्राप्त करने वाली पात्र महिलाओं को भी योजना के प्रावधानों के अनुसार आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

'भारतीय कानून में यह मान्य नहीं', विदेश से तलाक लेकर दूसरी शादी करने वालों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त



नई दिल्ली (ए.)। सुप्रीम कोर्ट ने भारत में संपन्न हुई शादियों और विदेशी अदालतों से हासिल किए जाने वाले तलाक को लेकर महत्वपूर्ण कानूनी टिप्पणी की है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि भारतीय कानूनों के तहत हुई शादी को केवल विदेशी अदालत से तलाक का आदेश हासिल कर समाप्त नहीं माना जा सकता। यदि विदेशी अदालत का फैसला भारतीय कानूनों के अनुरूप नहीं है, तो भारत में पहली शादी कानूनी रूप से बरकरार रह सकती है। अदालत के अनुसार, ऐसी स्थिति में पहली शादी कायम रहते दूसरी शादी करने वाले व्यक्ति के खिलाफ बिगैमी यानी द्विविवाह का आपराधिक मामला चलाया जा सकता है सुप्रीम कोर्ट ने इस तरह के मामलों पर चिंता जताते हुए कहा कि कुछ लोग वैवाहिक संबंधों में विवाद होने के बाद शादी के पूरी तरह टूट जाने का आधार बनाकर विदेशी अदालतों से तलाक हासिल कर लेते हैं। इसके बाद वे दूसरी शादी भी कर लेते हैंकोर्ट ने साफ किया।

दीपावली के तुरंत बाद होने लगा तेज ठंड का असर

गर्म कपड़ों का बढ़ने लगा कारोबार



नर्मदापुरम (निप्र)। उत्तरी क्षेत्र से आ रही शीतल हवाओं के चलते ठंड का असर तेज होने लगा है। पूर्व में जितनी ठंड कार्तिक पूर्णिमा से शुरू होती थी । वह अब एक पखवाडा पूर्व कार्तिक माह की अमावस्या से ही शुरू हो गई है। बीती रात शाम होते ही ठंड ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया था। पूर्व में कहावत चलती थी कि दीपावली से दिए बराबर ठंड शुरू होती है। ग्यारस से झोपडी बराबर ठंड का असर होता था। लेकिन अब ऐसा प्रतीत होने लगा कि पूर्व में जितनी ठंड ग्यारस के बाद की पूर्णिमा से शुरू होती थी। उतनी अब दीपावली से ही शुरू हो गई है। अब गर्म कपड़ों का कारोबार तेज होने लगा है।ठंड बढ़ने का असर उत्तरी हवाओं के कारण तथा खेतों में पलेवा के कारण बढा है। मौसम विभाग के अनुसार इन दिनों उत्तरी क्षेत्र से शीतल हवाएं तेज होने लगी हैं। वहां पर जो बर्फ बारी हो रही है। उसका असर है। उन्होने बताया कि ठंड का असर इस सप्ताह में और बढने की संभावना है। उन्होने बताया कि अभी एक दो दिन में बादल भी आ सकते हैं। जिससे ठंड कुछ कम हो सकेगी।



पतई घाट पर बच्चों को खेलते समय मिला लाखों वर्ष पुराना विशाल हाथी का जबड़ा

जब गांव वालों को पता चला तो पहले घबराए, फिर करने लगे पूजन अर्चन

बलराम शर्मा

नर्मदापुरम। प्राचीन काल से मां नर्मदा का पावन तट विभिन्न खोजों रहस्यों और चमत्कारों से भरा हुआ है। मिल रही जानकारी के अनुसार दो दिन पूर्व 10 नवंबर को नर्मदा तट के प्रसिद्ध पतई घाट पर कुछ ऐसा हुआ जिसकी चर्चा श्रद्धा भाव के साथ तेजी से फैल रही है। बताया जा रहा है कि इस घाट पर बच्चों को खेलते समय अचानक जब एक अजीब तरह के जबड़े पर पड़ी तो उनको आश्चर्य होने लगा। उन्होंने गांव के लोगों को इस बात की जानकारी दी तो गांव वालों ने भी आश्चर्य के साथ देखकर पहले तो डर गए। फिर पूजन करने लगे।

विशाल हाथी का माना जा रहा है जबड़ा

विशेषज्ञ मान रहे हैं कि यह जबड़ा किसी दैत्याकार प्रागैतिहासिक हाथी (स्टेगोडोन नैमेडिकस) का निचला जबड़ा है। इसमें मोलर (दाढ़) और प्री-मोलर दाँत लाखों वर्षों के बाद भी यथावत पाए गए हैं। प्राप्त हुआ सेक्शन 1 फ़ीट ऊँचा और डेढ़ फ़ीट चौड़ा है और अपसाइड-डाउन (औंधे मुँह) अवस्था में माना जा रहा है। जब यह जानकारी बायरल हुई तो बरेली (जिला रायसेन) के एसडीएम ने निरीक्षण किया। और इस क्षेत्र को सुरक्षित कर लिया। जीवाश्म-वैज्ञानिकों ने चित्र देखकर इसे किसी विशालकाय हाथी का जबड़ा होना पाया है। इसका बड़ा हिस्सा अभी भी नदी में दबा-छुपा होना माना जा रहा है। जो भविष्य में होने वाले अनुसंधान से सामने आ सकते हैं।



पूर्व में भी मिले हैं जीवाश्म

मां नर्मदा के तट पर यह कोई पहली बार नहीं हुआ है। मां नर्मदा भारत की सबसे प्राचीन नदी है। (जिसकी आयु लगभग 16 करोड़ वर्ष मानीजाती है)नर्मदा-घाटी से इससे पहले भी प्रागैतिहासिक जीवाश्म मिले हैं। मनावर क्षेत्र से डायनासौर के अंडों के जीवाश्म मिले थे। वास्तव में, नर्मदा-बेसिन भारत का पहला 'यूनेस्को ग्लोबल जियोपार्क' भी बनने का दावेदार है। भारत का पहला डायनासौर जीवाश्म 1828 में विलियम स्लीमन ने जबलपुर के निकट खोजा था। हथनोरा के निकट प्राचीन मानव-पूर्वज (होमिनिन) के जीवाश्म भी मिले हैं।

बाग क्षेत्र में तो 'मरीन सेडिमेंट' (समुद्री तलछट) सीक्वेंस भी मिले हैं, जो करोड़ों वर्ष पूर्व के इतिहास की ओर संकेत करते हैं, जब भारत गोंडवाना लैंडमास का हिस्सा हुआ करता था। मनावर क्षेत्र से मिले 'हैमियास्टर' पत्थरों को वहाँ के बच्चे सीता माता के पाँचे समझकर उनसे खेलते रहे हैं। सीतापुरी क्षेत्र में उनका पूजन भी किया जाता है, किन्तु उनका बड़ा प्रागैतिहासिक महत्त्व है। इस बारे में एक बहुत अच्छी डॉक्यूमेंट्री जियो-ओडिसी ने बनाई है।जानकार बताते हैं कि अनेक कल्पों से मां नर्मदा प्रवावित हैं। नर्मदा तब से बह रही है, जब हिमालय पर्वत का अस्तित्व नहीं था। वास्तव में वह हिमालय और उससे निकलने वाली नदियों से 10 करोड़ वर्ष से भी अधिक है।

बहुआयामी है महत्व

मां नर्मदा का महत्व बहु आयामी है। धार्मिक-सांस्कृतिक के साथ ही ऐतिहासिक-वैज्ञानिक महत्त्व भी कम नहीं। बाँधों ने नर्मदा-तट के गाँवों, स्थानीय संस्कृतियों के साथ ही उसके प्रागैतिहासिक महत्त्व के स्थलों को भी क्षति पहुँचाई है, किन्तु अब भी बहुत कुछ खोजा जाना शेष है।

K K

राजधानी समाचार





शुक्रवार 13 नवम्बर 2026,नर्मदापुरम् (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 2

मध्यप्रदेश ने औद्योगिक विकास में बनाई अपनी नई पहचान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जर्मनी के बेनेकोर समूह के हाइजीन नॉनवोवन मटेरियल निर्माण इकाई का वर्चुअली किया शुभारंभ

भोपाल (आरएनएस) । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सरकार और उद्योग जब एक साथ मिलकर काम करते हैं तो उनकी क्षमता कई गुना बढ़ जाती है। इसी का परिणाम है कि जर्मनी के बेनेकोर समूह के संयंत्र का अगस्त 2024 में भूमि-पूजन हुआ था और सिर्फ दो साल में उत्पादन शुरू हो गया। राज्य सरकार जो कहती है, वो करती है और समय पर करती है। इससे औद्योगिक विकास के क्षेत्र में मध्यप्रदेश की नई पहचान बनी है। आज का शुभारंभ जर्मनी की तकनीक और भारत की लगभग सौ साल पुरानी विरासत की साझेदारी है। संयंत्र के पहले चरण में 160 करोड़ रुपये का निवेश है, 300 करोड़ रुपये सालाना कारोबार की क्षमता है, इससे बड़ी संख्या में लोगों को रोज़गार मिलेगा। यहां माताओं-बहनों और बच्चों की स्वच्छता और स्वास्थ्य से जुड़ी सामग्री का निर्माण होगा, यह उद्योग आर्थिक गतिविधियों के साथ-साथ हमारी सामाजिक जिम्मेदारी का भी प्रतीक बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को बेनेकोर प्रायवेट लिमिटेड के भोपाल के अचारपुरा औद्योगिक क्षेत्र स्थित संयंत्र के शुभारंभ कार्यक्रम को नई दिल्ली से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे।



भोपाल, मध्य भारत का आधुनिक मैन्युफैक्चरिंग हब बन रहा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि देश और दुनिया का हर बड़ा निवेशक मध्यप्रदेश आए। प्रदेश में औद्योगिक मित्र नीतियों के साथ-साथ भूमि के ऑनलाइन आमंत्रण और सिंगल विंडो से मंज़ूरियों की व्यवस्था के परिणामस्वरूप मध्यप्रदेश निवेशकों की पहली पसंद बना है। अब भोपाल, मध्य भारत का आधुनिक मैन्युफैक्चरिंग हब बन रहा है। हमारा समन्वित प्रयास है कि उद्योग युवाओं को प्रशिक्षण दें, उन्हें अपने यहां काम दें ताकि युवाओं को रोजगार के लिए राज्य से बाहर नहीं जाना पड़े। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बेनेकोर समूह के इस संयंत्र के अचारपुरा में स्थापित होने पर स्थानीय विधायक विष्णु खत्री को बधाई दी।

संयंत्र पर्यावरण अनुकूल, पानी का नही होगा अपव्यय

संयंत्र में डायपर और सैनिटरी नैपकिन में उपयोग होने वाला हाइजीन नॉनवोवन मटेरियल तैयार किया जाएगा। अब तक यह मटेरियल बाहर से मंगाना पड़ता था, अब यह देश में ही बनेगा, यह उत्पादन आत्मनिर्भर भारत की दिशा में मज़बूत कदम होगा। संयंत्र पर्यावरण के अनुकूल है, इसमें बॉयलर नहीं है, पानी की बर्बादी बहुत कम होगी, संयंत्र ग्रीन बिल्डिंग मानकों के आधार पर तैयार किया गया है। बेनेकोर की योजना तीन वर्षों में अपनी क्षमता दोगुना करने की है। अचारपुरा में आयोजित कार्यक्रम में औद्योगिक नीति एवं निवेश संवर्धन विभाग के अधिकारी, बेनेकोर समूह के प्रतिनिधि, इंजीनियर और बड़ी संख्या में स्थानीय जन उपस्थित थे। कार्यक्रम में एमपीआईडीसी के एमडी चंद्रमौली शुक्ला और बेनेकोर समूह के अधिकारी उपस्थित थे।

19 हजार एकड़ में विकसित हो रहे हैं 48 नए औद्योगिक पार्क

प्रदेश में औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए अधोसंरचना और सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। लगभग 19 हजार एकड़ क्षेत्र में 48 नए औद्योगिक पार्क विकसित किए जा रहे हैं। ऑनलाइन भूमि आवंटन, सिंगल विंडो सिस्टम और 30 दिन में व्यवसाय प्रारंभ करने की सुविधा से निवेशकों के लिए प्रक्रियाएं सरल बनाई गई हैं। सरकार का प्रयास है कि निवेशकों को आवश्यक सुविधाएं और स्वीकृतियां समय पर मिलें तथा उद्योग शीघ्र उत्पादन प्रारंभ कर सकें। मध्यप्रदेश टेक्सटाइल उद्योग के क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। प्रदेश में 100 से अधिक बड़ी टेक्सटाइल इकाइयां और 43 हजार से अधिक सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम कार्यरत हैं।

भोपाल में आज से शुरू होगा छठ महापर्व

शहर के 54 घाटों पर तैयारी, शीतलदास की बगिया में 2100 दीपों से दीपदान



भोपाल (आरएनएस.) । राजधानी में शुक्रवार 13 नवंबर से चार दिवसीय छठ महापर्व की शुरुआत होगी। लोक आस्था के इस पर्व को लेकर शहर में तैयारियां अंतिम चरण में हैं। नगर निगम ने 54 घाटों पर साफ-सफाई, रोशनी, पेयजल और अन्य जरूरी सुविधाएं जुटाने की तैयारी की है। प्रेमपुरा, नीलबड़ और बड़ा तालाब स्थित शीतलदास की बगिया में प्रमुख आयोजन होंगे। इस बार शीतलदास की बगिया में 2100 मिट्टी के दीपों से दीपदान किया जाएगा। वहीं, 51 किलो गुलाब की पंखुड़ियों से पुष्पवर्षा और भोजपुरी कलाकारों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। प्रमुख घाटों के अलावा कोकता बाईपास सहित कई कॉलोनियों में भी अस्थायी पूजा कुंड बनाए जा रहे हैं। छठ महापर्व की तैयारियों का जायजा लेने के लिए गुरुवार को महापौर मालती राय ने शीतलदास की बगिया का निरीक्षण किया। उनके साथ विधायक भगवानदास सबनानी, भाजपा जिला अध्यक्ष रविंद्र यति, चंद्रभान राय, मंडल अध्यक्ष हेमंत बढ़गैया, मुकेश दहाड़े और नगर निगम के अधिकारी मौजूद रहे। इससे पहले महापौर ने प्रेमपुरा, पुलिस लाइन नेहरू नगर और पांच नंबर स्टॉप स्थित छठ घाटों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को सभी जरूरी व्यवस्थाएं समय पर पूरी करने के निर्देश दिए।

54 घाटों पर सफाई, रोशनी और चेंजिंग रूम की व्यवस्था

छठ पूजा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के घाटों पर पहुंचने की संभावना है। इसे देखते हुए नगर निगम ने शहर के 54 घाटों पर व्यवस्थाएं कराने की तैयारी की है। घाटों पर साफ-सफाई, पर्याप्त रोशनी, पेयजल, सार्वजनिक शौचालय और महिलाओं के लिए कपड़े बदलने के स्थान बनाए जाएंगे। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पार्किंग और आवागमन की व्यवस्था भी की जा रही है। नरेला विधानसभा क्षेत्र में भी छठ पूजा की तैयारियां की जा रही हैं। मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने प्रमुख घाटों का निरीक्षण कर साफ-सफाई, सुरक्षा, रोशनी और महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम की व्यवस्था समय पर पूरी करने के निर्देश दिए हैं।बड़ा तालाब के कमला पार्क के पास स्थित शीतलदास की बगिया में भोजपुरी एकता मंच की ओर से विशेष आयोजन किया जा रहा है। परिसर को पीले वस्त्रों, केले के पेड़ों, रंग-बिरंगी झंडियों और आम के पत्तों के तोरण से सजाया जाएगा। यहां 2100 मिट्टी के दीप जलाकर दीपदान होगा। इसके साथ 51 किलो गुलाब की पंखुड़ियों से पुष्पवर्षा की जाएगी। बिहार के भोजपुरी कलाकार मिथु मिश्रा और वाराणसी के सक्षम शर्मा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे। श्रद्धालुओं के लिए नौका विहार और आतिशबाजी की व्यवस्था भी प्रस्तावित है। व्रतियों के लिए कच्चे गाय के दूध की व्यवस्था की जाएगी। मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग ने भी इस महोत्सव को अपने आयोजन कैलेंडर में शामिल किया है। यहां 15 और 16 नवंबर को विशेष कार्यक्रम होंगे।

भगवान बिरसा मुण्डा जयंती के अवसर पर मनेगा जनजातीय गौरव सप्ताह

भोपाल (आरएनएस) । जनजातीय कार्य मंत्री कुँवर विजय शाह ने भगवान बिरसा मुण्डा जयंती के अवसर पर जनजातीय गौरव सप्ताह के आयोजन की तैयारियों के संबंध में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गुरुवार को मंत्रालय से समीक्षा बैठक ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह और जनजातीय कार्य आयुक्त तरुण राठी भी उपस्थित थे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल, जिले के जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और जनजातीय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त जुड़े थे। मंत्री कुँवर शाह ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 15 नवम्बर को कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करेंगे। राज्य स्तरीय कार्यक्रम राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आतिथ्य में होगा।

शिवराज सिंह चौहान की माताजी की श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए सुरेन्द्र त्यागी



भोपाल (ए.)। जनता दल यूनाइटेड मध्यप्रदेश के प्रदेश महासचिव सुरेन्द्र त्यागी ने पूर्व मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की पूज्य माताजी की श्रद्धांजलि सभा में शामिल होकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने शिवराज सिंह चौहान एवं उनके परिवार के प्रति शोक संवेदनाएं व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति और परिवार को दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

भोपाल एवं इंदौर मेट्रो में नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड का हुआ शुभारंभ

एक ही कार्ड से देश भर के मेट्रो नेटवर्क पर यात्रा होगी संभव, टिकट काउंटरों की लंबी कतारों से मिलेगी मुक्ति

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा प्रदेश की राजधानी भोपाल और औद्योगिक नगरी इंदौर के मेट्रो यात्रियों को विश्वस्तरीय, आधुनिक और सुगम परिवहन अनुभव प्रदान करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। गुरूवार से से दोनों शहरों (भोपाल एवं इंदौर) में नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड सुविधा का औपचारिक शुभारंभ किया गया है। इस डिजिटल एवं स्मार्ट टिकटिंग व्यवस्था से यात्रियों को बार-बार टिकट नहीं खरीदना रहेगा एवं प्रत्येक यात्रा पर आर्थिक बचत का अवसर भी प्राप्त होगा।

एक कार्ड, अनेक लाभ: देशव्यापी मेट्रो यात्रा संभव

'नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड एक आधुनिक वन नेशन, वन कार्ड आधारित ऑटोमैटिक फेयर कलेक्शन प्रणाली है। इस कार्ड का प्रयोग भोपाल और इंदौर मेट्रो के अलावा देश के उन सभी महानगरों एवं शहरों के मेट्रो नेटवर्क में किया जा सकेगा, जहां एनसीएमसी व्यवस्था क्रियान्वित है। यात्री मेट्रो स्टेशनों पर बने ऑटोमैटिक फेयर कलेक्शन गेट्स पर कार्ड टैप कर सीधे प्रवेश एवं निकास कर सकेंगे। इससे टिकट काउंटरों पर लगने वाली कतारों में कमी आएगी और यात्रियों का बहुमूल्य समय बचेगा।



मात्र 50 रूपये के शुल्क पर स्टेशनों पर उपलब्ध

यात्रियों की सुविधा के लिए यह एनसीएमसी कार्ड भोपाल एवं इंदौर मेट्रो के सभी परिचालित स्टेशनों के टिकट काउंटरों पर उपलब्ध करा दिए गए हैं। कार्ड जारी करने का निर्धारित शुल्क मात्र 50/- (अप्रतिदेय/नॉन-रिफंडेबल) रखा गया है। कार्ड प्राप्त करने के पश्चात यात्री अपनी आवश्यकतानुसार राशि रिचार्ज कराकर तत्काल यात्रा आरंभ कर सकते हैं। कार्ड को रिचार्ज करने के लिए स्टेशनों पर स्थित टिकट काउंटर, टिकट वेंडिंग मशीन (टीवीएम) तथा एमपी मेट्रो मोबाइल ऐप जैसे डिजिटल विकल्प उपलब्ध कराए गए हैं।

25 प्रतिशत की आकर्षक छूट के साथ किफायती सफर

मेट्रो कॉर्पोरेशन ने यात्रियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एनसीएमसी कार्ड के माध्यम से की जाने वाली यात्राओं पर 25 प्रतिशत की छूट को यथावत रखने का निर्णय लिया है। यह छूट उन सभी यात्राओं पर लागू होगी जिनका निर्धारित किराया 20 रूपये से अधिक है। इस व्यवस्था से दैनिक यात्रियों को यात्रा में सुविधा के साथ प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ भी प्राप्त होगा।

30 सेकंड में टिकट: टिकट वेंडिंग मशीन (टीवीएम) की नई पहल

यात्रियों को त्वरित एवं निर्बाध सेवा देने के उद्देश्य से स्टेशनों पर स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीनें भी क्रियान्वित की गई हैं। इस सुविधा के अंतर्गत यात्री बाय क्यू आर टिकट का विकल्प चुनकर, गंतव्य स्टेशन तय कर मात्र 30 सेकंड में यूपीआई क्यूआर कोड स्कैन के माध्यम से डिजिटल भुगतान कर अपना पेपर क्यूआर टिकट प्राप्त कर सकते हैं। एमपीएमआरसीएल द्वारा 11 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2026 तक विशेष प्रमोशनल डिस्काउंट योजना भी संचालित की जा रही है।

भय बीते समय की बात, नक्सल प्रभावित रहे गांवों में अब आकार ले रहीं विश्वास और विकास की नई संभावनाएं

100 गांवों के कायाकल्प के लिए तैयार की गई 330 करोड़ रुपये की कार्य योजना

भोपाल (ए.) । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश एवं मार्गदर्शन में नक्सलवाद से मुक्त हुए बालाघाट जिले के प्रभावित क्षेत्रों में विकास की नई इबारत लिखने की तैयारी है। नक्सलवाद के सफाये के बाद अब सरकार का विशेष फोकस इन क्षेत्रों को सड़क, बिजली, पानी, सिंचाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार, पर्यटन और रोजगार की सुविधाओं से जोड़कर विकास की मुख्य धारा में लाने पर है। इसके लिए 100 गांवों के समग्र विकास के लिए 330 करोड़ रुपये की एक ठोस कार्य योजना तैयार की गई है। इस कार्य योजना में 266 करोड़ रुपये के कार्य मंजूर भी हो चुके हैं। इन क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए सरकार के प्रयास धरातल पर फलीभूत होने लगे हैं। यही कारण है कि भय को भुलाकर इस क्षेत्र में अब विश्वास और विकास की नई संभावनाएं आकार ले रही हैं।नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में हुए बदलावों और विकास की संभावनाओं को सामने लाने के लिए गुरुवार को प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (पीआईबी), भोपाल एवं जिला प्रशासन बालाघाट द्वारा संयुक्त मीडिया कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में डीआईजी बालाघाट विनीत जैन ने बताया कि 1239 अभियानों के बाद जिले से नक्सलवाद का खात्मा हुआ है। कलेक्टर बालाघाट आदित्य सिंह ने 100 गांवों के चहुंमुखी विकास के तैयार की गई 330 करोड़ रुपए की कार्य योजना की सिलसिलेवार जानकारी दी। कार्यशाला में एसपी मलय जैन, एआईजी हॉक फोर्स रवि द्विवेदी, एडीशनल एसपी नितेश भार्गव, पीआईबी के निदेशक मनीष गौतम उपस्थित थे। कार्यशाला में जहां अधिकारियों ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास की भावी रणनीति पर अपनी बात रखी, वहीं नक्सल प्रभावित रहे ग्रामों के सरपंचों और युवाओं ने प्रशासन को क्षेत्रीय विकास के लिए अन्य जरूरतों की जानकारी दी।



मतदाता सूची का हुआ प्रारूप प्रकाशन

निर्वाचन सदन में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की बैठक संपन्न

भोपाल (आरएनएस) । भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 के तहत आज 12 नवंबर को प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों की प्रारूप फोटो निर्वाचक नामावली का प्रकाशन किया गया। प्रारूप मतदाता सूची निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के कार्यालयों के साथ मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, मध्यप्रदेश की वेबसाइट ceoelection.mp.gov.in पर भी उपलब्ध है।इस संबंध में राज्य एवं जिला स्तर पर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संजीव कुमार झा की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय बैठक में आम आदमी पार्टी से राघव पटेल, बहुजन समाज पार्टी से एडवोकेट सुधीर उबनारे, भारतीय जनता पार्टी से एस.एस. उप्पल तथा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से जे.पी. धनोपिया एवं ललित सेन उपस्थित रहे। प्रतिनिधियों को फोटो रहित निर्वाचक नामावली की सॉफ्ट कॉपी हार्ड डिस्क के माध्यम से उपलब्ध कराई गई। साथ ही पुनरीक्षण कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रदेश में अब 72 हजार 36 मतदान केंद्रमतदान केंद्रों के युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया के तहत प्रदेश में 127 नवीन मतदान केंद्र जोड़े गए हैं, जबकि 21 मतदान केंद्र विलोपित किए गए हैं। इस प्रकार अब प्रदेश में कुल मतदान केंद्रों की संख्या 72 हजार 36 हो गई है। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 के तहत निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार निर्वाचक नामावली का प्रारूप प्रकाशन 12 नवंबर 2026 को किया गया है। दावे एवं आपत्तियां 12 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक प्राप्त की



निर्वाचक नामावली के संक्षिप्त पुनरीक्षण अंतर्गत इंटीग्रेटेड ड्राफ्ट इलेक्टोरल रोल का प्रकाशन

मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को सौंपी गई मतदाता सूची,11 दिसंबर तक प्राप्त किए जाएंगे दावे एवं आपत्तियां



भोपाल(आरएनएस)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचक नामावली के संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत अपर कलेक्टर महेन्द्र कवचे एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी दीपक पांडेय की अध्यक्षता में स्टैंडिंग कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में गुरुवार, 12 नवंबर 2026 को इंटीग्रेटेड ड्राफ्ट इलेक्टोरल रोल (एकीकृत प्रारूप निर्वाचक नामावली) का प्रकाशन किया गया। इस अवसर पर सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को प्रारूप मतदाता सूची एवं युक्ति युक्तिकरण के बाद की नवीन मतदान केन्द्रों की सूची उपलब्ध कराई गई, ताकि वे सूची का अवलोकन कर सकें और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवश्यक दावे एवं आपत्तियां प्रस्तुत कर सकें।कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंक मिश्रा के निर्देशन में भोपाल जिले में निर्वाचक नामावली के संक्षिप्त पुनरीक्षण का कार्य निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संचालित किया जा रहा है। इस प्रक्रिया का उद्देश्य निर्वाचक नामावली को अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाना तथा पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल करने के साथ अपात्र एवं त्रुटिपूर्ण प्रविष्टियों के संबंध में नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करना है। निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 12 नवंबर 2026 से 11 दिसंबर 2026 तक प्रारूप निर्वाचक नामावली के संबंध में दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। इस अवधि में नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने, नाम, पता अथवा अन्य विवरणों में संशोधन कराने तथा नियमानुसार अन्य आवश्यक दावे एवं आपत्तियां प्रस्तुत कर सकेंगे। प्राप्त दावे एवं आपत्तियों का परीक्षण एवं निराकरण निर्धारित प्रक्रिया के तहत 28 दिसंबर 2026 तक किया जाएगा। इसके पश्चात 04 जनवरी 2027 को अंतिम निर्वाचक नामावली का प्रकाशन किया जाएगा। जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे प्रारूप मतदाता सूची में अपना नाम एवं अन्य विवरण अवश्य जांच लें। यदि किसी प्रकार की त्रुटि अथवा संशोधन की आवश्यकता हो, तो निर्धारित समय-सीमा में संबंधित निर्वाचन कार्यालय में अपना दावा या आपत्ति प्रस्तुत करें, जिससे निर्वाचक नामावली में आवश्यक सुधार किया जा सके।

डीजी जेल वरुण कपूर की अभिनव पहल

भोपाल (आरएनएस)। भाईदूज के पावन पर्व पर प्रदेश की जेलों में भाई-बहन के प्रेम, आत्मीयता और स्नेह के भावुक दृश्य देखने को मिले। जेल महानिदेशक वरुण कपूर के प्रयासों से प्रदेश की जेलों में बंदियों को अपने परिजनों के साथ त्योहार मनाने का अवसर उपलब्ध कराने के लिए विशेष खुली मुलाकात की अभिनव पहल की गई। इस पहल के अंतर्गत प्रदेश की तीन केंद्रीय जेलों—ग्वालियर, सागर एवं सर्किल जेल शिवपुरी तथा इनके अधीनस्थ जेलों में विशेष मुलाकात का आयोजन किया गया।इस अवसर पर बड़ी संख्या में बहनें अपने बंदी भाइयों से मिलने जेल पहुंचीं और उनके माथे पर तिलक लगाकर स्वस्थ, सुखी एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं, महिला बंदियों से मिलने उनके भाई एवं अन्य परिजन भी पहुंचे। लंबे समय बाद अपने परिजनों एवं 6 वर्ष तक की आयु के बच्चों से मिलकर बंदियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। भाई-बहनों के मिलन के दौरान कहीं मुस्कान तो कहीं खुशी के आंसुओं ने माहौल को भावुक बना दिया।

पश्चिम मप्र में रुफ टॉप सोलर उत्पादन अब एक लाख से ज्यादा स्थानों पर



भोपाल (आरएनएस)। स्वच्छ और पर्यावरण हितैषी सोलर ऊर्जा उत्पादन करने में पश्चिम मध्यप्रदेश यानि मालवा-निमाड़ अंचल ने जोरदार उत्साह दिखाते हुए एक लाख का आंकड़ा पार कर लिया है। पश्चिम मध्यप्रदेश में एक लाख से ज्यादा परिसरों में उपभोक्ताओं द्वारा लगाए गए सोलर प्लांट से स्वच्छ उर्जा उत्पादन कर पर्यावरण हित को लेकर सहयोग करने, बिजली बिल में बचत का नारा बुलंद किया गया है। एक लाख बिजली उपभोक्ताओं द्वारा यह नेक कार्य करने पर ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बधाई दी हैं, साथ ही अन्य उपभोक्ताओं से रूफ टॉप सोलर अपना कर पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना में 78 हजार रूपए तक सब्सिडी लाभ लेने का आह्वान किया हैं।मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने बताया कि 10 नवंबर की स्थिति में मालवा-निमाड़ में रूफ टॉप सोलर संयंत्र स्थापना का आंकड़ा एक लाख के पार हो गया। कंपनी स्तर रूफ टॉप सोलर संयंत्रों की कुल उत्पादन क्षमता भी बढ़कर 560 मेगावॉट से ज्यादा हो गई है। प्रबंध निदेशक श्री सिंह ने बताया कि पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत 83 हजार से ज्यादा घरों पर संयंत्रों की स्थापना हुई हैं। कंपनी स्तर पर पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना में अब तक उपभोक्ताओं को प्रति उपभोक्ता अधिकतम 78 हजार के हिसाब से 550 करोड़ रूपए से ज्यादा की सब्सिडी केंद्र शासन की ओर से प्रदान की गई है। एमडी श्री सिंह ने बताया कि पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना को मिलाकर सभी योजनाओं, परिसरों, उद्योग, कार्यालयों की छतों इत्यादि समेत एक लाख से ज्यादा परिसरों से वर्तमान में सौर ऊर्जा उत्पादन हो रहा है। इंदौर महानगर सीमा क्षेत्र में करीब 40 हजार एवं संपूर्ण इंदौर जिले में 45 हजार स्थानों पर सोलर संयंत्र लगे हैं। इनकी कुल उत्पादन क्षमता 225 मेगावॉट से ज्यादा हैं। इंदौर के बाद कंपनी स्तर रूफ टॉप सोलर संयंत्र स्थापना में दूसरा स्थान उज्जैन जिला का 9450, तीसरा रतलाम जिला 9150, चौथा स्थान मंदसौर जिला 6350, पांचवां देवास जिला 5330, छठां खरगोन जिला 5290, सातवां नीमच 5070 स्थानों पर सोलर संयंत्र वाला जिला है। पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के एमडी श्री सिंह ने बताया कि अन्य जिलों में 650 से लेकर 3900 संयंत्र स्थापित किए गए हैं। सभी जिलों में सतत ही सौर ऊर्जा उत्पादन के प्रति रूचि लेकर उपभोक्ता संयंत्र स्थापित कर रहे हैं, पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना मे 78 हजार रूपए तक सब्सिडी भी प्राप्त कर रहे हैं।

रतलाम में 8 लेन एक्सप्रेस-वे पर भीषण हादसा, कार में घुसी रेलिंग, दो मासूम बच्चों की मौत; माता-पिता गंभीर



रतलाम(ए.)। दिल्ली-मुंबई 8 लेन एक्सप्रेस-वे पर बुधवार सुबह जावरा के पास बड़ा हादसा हो गया। करीब 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ रही कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगी लोहे की रेलिंग से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि रेलिंग का हिस्सा कार को चीरते हुए अंदर घुस गया। हादसे में 13 वर्षीय बेटे सागर और 6 वर्षीय बेटी विधि की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि माता-पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। सड़क दुर्घटनाओं के मामले दिन-ब-दिन बढ़ते जा रहे हैं, जो गंभीर चिंता का विषय बना हुआ हैं। हर साल लाखों लोग सड़क हादसों में अपनी जान गंवा देते हैं।

दंपती को रतलाम मेडिकल कॉलेज किया रेफर

हादसा जावरा के बड़ावदा चौराहे के पास हुआ। कार में गुजरात के हारोल में रहने वाला वर्मा परिवार सवार था, जो मूल रूप से उत्तर प्रदेश के उन्नाव का रहने वाला है। पिता राजाबाबू वर्मा खुद कार चला रहे थे। उनके साथ पत्नी रिषु वर्मा (42), बेटा सागर और बेटी विधि थे। परिवार सुबह करीब 4:30 बजे अपने गांव जाने के लिए निकला था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को जावरा अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए दंपती को रतलाम मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। हादसे में पत्नी रिषु की हालत गंभीर बताई गई है।

पिता राजाबाबू ने हाईवे पर समय पर उपचार की सुविधा नहीं मिलने पर नाराजगी जताई। उनका कहना है कि 8 लेन एक्सप्रेस-वे पर आसपास कोई अस्पताल या पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधा नहीं थी। यदि समय पर इलाज मिल जाता तो शायद उनकी बेटी की जान बच सकती थी। एक तरफ दो मासूम बच्चों की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है, वहीं हादसे ने 8 लेन एक्सप्रेस-वे पर आपातकालीन चिकित्सा सुविधाओं को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।इससे पहले मध्य प्रदेश के बैतूल जिले से एक भयानक सड़क हादसे की खबर सामने आई थी, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए थे। बैतूल के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (CMHO) मनोज हुरमाडे के अनुसार यह हादसा शनिवार सुबह करीब 3 बजे हुआ। टक्कर के समय कार में नौ यात्री सवार थे।

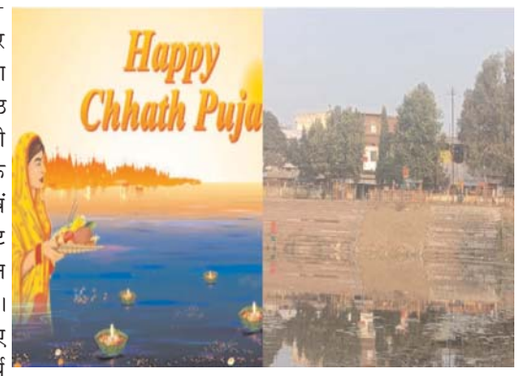
907 करोड़ की लागत से बना उज्जैन-बदनावर फोरलेन 18 महीने में उखड़ा, सांसद फिरोजिया ने गडकरी से की शिकायत

उज्जैन(ए.)। उज्जैन-बदनावर फोरलेन हाईवे निर्माण के महज 18 महीने बाद उखड़ने लगा है। 907 करोड़ की लागत से बने इस मार्ग की मरम्मत कराई जा रही है। सांसद अनिल फिरोजिया ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से शिकायत कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

उज्जैन से बदनावर तक 907 करोड़ रुपये की लागत से बना फोरलेन हाईवे महज 18 महीने में ही बदहाल होने लगा है। 69.1 किलोमीटर लंबे इस हाईवे (NH-|zwD) की सड़क से डामर उखड़ गया है और गिट्टी बाहर निकलकर फैल गई है। हालात ऐसे हैं कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) को तपोभूमि से चिंतामन के बीच आधी सड़क बंद कर मिलिंग और दोबारा डामरीकरण कराना पड़ रहा है।मामले ने तूल पकड़ा तो उज्जैन के सांसद अनिल फिरोजिया ने सीधे केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से शिकायत की। सांसद ने निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए कहा कि सड़क का निर्माण मानकों के अनुरूप नहीं हुआ है। शिकायत के बाद अब निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच कराई जा रही है।

शुक्रवार से नहाए-खाए से प्रारंभ होगा छठ महापर्व , नगर में मड़फा तालाब एवं तिपान नदी तट पर होगी पूजा

अनूपपुर (ए.)। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा 13 से 16 नवंबर तक श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। पर्व के दौरान व्रती महिलाएं एवं पुरुष परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना के साथ भगवान सूर्यदेव एवं छठी मैया की विधि-विधान से आराधना करेंगे।चार दिवसीय इस महापर्व को जिला मुख्यालय सहित कोयलांचल में छठ पूजा की तैयारी लगभग पूर्ण हो चुकी हैं। जिला मुख्यालय के ऐतिहासिक पांडव कालीन मड़फा तालाब एवं तिपान नदी के तट पर पूजन हेतु घाट की सफाई के साथ छठी मैया के पूजन आसन की तैयारी पूर्ण कर ली गई है। अमरकंटक में छठ पूजा के लिए नर्मदा तट के रामघाट, कोटि तीर्थ घाट पर होगा।पूर्वांचल वासियों का 4 दिवसीय कार्तिक छठ पूजन महापर्व का शुभारंभ 13 नवंबर शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ होगा। इस दिन व्रती स्नान कर घरों की साफ-सफाई एवं पवित्रता का विशेष ध्यान रखते हुए सात्विक भोजन ग्रहण करेंगे। 14 नवंबर शनिवार को खरना की परंपरा निभाई जाएगी। खरना पूजन के बाद व्रती लगभग 36 घंटे का निर्जला व्रत प्रारंभ करेंगे। 15 नवंबर को संध्या अर्घ्य छठ महापर्व का प्रमुख अनुष्ठान संपन्न होगा। इस दिन व्रती नर्मदा तट स्थित रामघाट, कोटि तीर्थ घाट सहित निर्धारित जलाशयों एवं घाटों पर पहुंचकर अस्ताचलगामी सूर्यदेव को जल एवं दूध से अर्घ्य अर्पित करेंगे। घाटों पर छठी मैया के पारंपरिक गीतों, दीपों की रोशनी आतिशबाजी और पूजन सामग्री के बीच श्रद्धा एवं भक्ति का अद्भुत वातावरण निर्मित होगा।



साढ़े तीन बीघा जमीन बेचने को लेकर पति-पत्नी में विवाद, दोनों पक्षों ने लगाए मारपीट के आरोप

राजगढ़,(ए.)। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के ब्यावरा शहर थाना क्षेत्र के ग्राम चंदेरी में साढ़े तीन बीघा जमीन की बिक्री को लेकर पति-पत्नी और उनके परिजनों के बीच विवाद हो गया। गुरुवार को हुए विवाद में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर गाली-गलौज और मारपीट करने के आरोप लगाए हैं। एक पक्ष ने साले पर छुरी से हमला कर सिर में चोट पहुंचाने का आरोप लगाया, जबकि दूसरे पक्ष ने पति पर मारपीट करने की शिकायत की है। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर चार लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार, ग्राम चंदेरी निवासी इंदरसिंह (40), पुत्र लक्ष्मण सौंधिया ने शिकायत में बताया कि उसने अपनी पत्नी इकलेशबाई के नाम साढ़े तीन बीघा जमीन कर दी थी। आरोप है कि पत्नी इकलेशबाई, ससुर फूलसिंह और साले जगदीश ने उसकी सहमति के बिना जमीन बेच दी। गुरुवार को इसी मामले में पूछताछ करने पर विवाद हो गया। इंदरसिंह का आरोप है कि इस दौरान साले जगदीश ने छुरी से हमला कर उसके सिर के पीछे चोट पहुंचाई।

बाघों के ठिकाने पर गूंज रही शहनाई, डेस्टिनेशन वेडिंग का नया केंद्र बना बांधवगढ़

- नवंबर में एक दर्जन से अधिक की बुकिंग

शहडोल,(ए.)। मध्यप्रदेश का प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व अब केवल बाघों के दीदार और रोमांचक टाइगर सफारी के लिए ही नहीं, बल्कि शाही अंदाज में विवाह समारोह आयोजित करने के लिए भी देश-दुनिया के लोगों की पसंद बनता जा रहा है। शहरों की भागदौड़, भीड़भाड़ और पारंपरिक विवाह आयोजनों से अलग हटकर लोग अब जंगल के प्राकृतिक सौंदर्य और शांत वातावरण के बीच सात फेरे लेने को प्राथमिकता दे रहे हैं। यही वजह है कि बांधवगढ़ क्षेत्र के खूबसूरत रिसॉर्ट्स डेस्टिनेशन वेडिंग के नए केंद्र के रूप में उभर रहे हैं।बांधवगढ़ की पहचान अब वन्यजीव



पर्यटन के साथ-साथ विवाह पर्यटन के रूप में भी बनने लगी है। पहले यहां देश के विभिन्न राज्यों और विदेशों से पर्यटक बाघों का दीदार करने पहुंचते थे, लेकिन अब विवाह समारोहों के लिए भी रिसॉर्ट्स की मांग बढ़ रही है। एकादशी से विवाह मुहूर्त शुरू होने के साथ ही नवंबर महीने में बांधवगढ़ क्षेत्र के रिसॉर्ट्स में 12 से अधिक शादियों की बुकिंग हो चुकी है। इससे पर्यटन कारोबार से जुड़े व्यवसायियों में भी खासा उत्साह देखा जा रहा है।डेस्टिनेशन वेडिंग की सबसे बड़ी विशेषता सीमित मेहमानों के बीच खास अंदाज में विवाह समारोह आयोजित करना है। इसमें बड़े स्तर पर भीड़ जुटाने और अनावश्यक दिखावे के बजाय परिवार के करीबी सदस्यों एवं चुनिंदा मेहमानों को आमंत्रित किया जाता है। रिसॉर्ट्स में मेहमानों के ठहरने, खानपान, सजावट और विवाह की विभिन्न रस्मों के लिए एक ही परिसर में व्यवस्थाएं उपलब्ध हो जाती हैं। इससे मेहमानों को अलग-अलग स्थानों पर आने-जाने की परेशानी नहीं होती। प्राकृतिक सौंदर्य के बीच विवाह की यादों को हमेशा के लिए संजोने की चाह रखने वाले परिवारों को यह नया अंदाज खासा आकर्षित कर रहा है।

महापौर ने एयरपोर्ट पर सफाईकर्मी महिला को सौंपा स्वच्छता अवॉर्ड, खुली जीप में बैठाकर किया सम्मान

इंदौर (ए.)। स्वच्छता सर्वेक्षण में इंदौर और देपालपुर की जोड़ी को देश में दूसरा स्थान मिला। अवॉर्ड लेकर लौटे महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने एयरपोर्ट पर सबसे पहले यह सम्मान महिला सफाईकर्मी को सौंपा और उसे खुली जीप में बैठाकर रैली निकाली। उन्होंने उपलब्धि का श्रेय सफाईकर्मियों, निगम कर्मचारियों और नागरिकों को दिया। स्वच्छता सर्वेक्षण में इंदौर और देपालपुर की जोड़ी को देश में दूसरा स्थान मिलने के बाद शहर में जश्न का माहौल है। इस उपलब्धि का अवॉर्ड लेकर इंदौर पहुंचे महापौर पुष्यमित्र भार्गव का एयरपोर्ट पर जोरदार स्वागत किया गया। इसके बाद एयरपोर्ट से नगर निगम कार्यालय तक सम्मान रैली निकाली गई। इसमें जनप्रतिनिधियों, निगम अधिकारियों, कर्मचारियों और बड़ी संख्या में शहरवासियों ने हिस्सा लिया। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने एयरपोर्ट पहुंचते ही एक खास संदेश दिया। उन्होंने सबसे पहले स्वच्छता का अवॉर्ड एक महिला सफाईकर्मी को सौंप दिया। इतना ही नहीं, महिला सफाईकर्मी को अपनी खुली जीप में साथ बैठाकर सम्मान रैली में शामिल किया। रैली के दौरान जगह-जगह उनका स्वागत और सम्मान भी किया गया।

व्यापार समाचार

अदाणी ग्रुप की कच्छ कॉपर ने चिली के प्रमुख तांबा क्षेत्र में खोज के लिए कोडेल्को के साथ साझेदारी की

अहमदाबाद (ए.)। अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) के पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी कच्छ कॉपर लिमिटेड (केसीएल) और चिली की कोडेल्को ने गुरुवार को उत्तरी चिली के एंटोफगास्टा क्षेत्र के कैलामा कॉपर बेल्ट में स्थित कबुरकाला परियोजना में रणनीतिक अन्वेषण साझेदारी का ऐलान किया।

दोनों कंपनियों के बीच यह साझेदारी महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में भारत और चिली के बीच सहयोग को मजबूत करेगा। यह साझेदारी ऐसे समय में हुई है, जब दोनों देशों के लिए संसाधनों की सुरक्षा एक रणनीतिक प्राथमिकता बन गई है।

अदाणी ग्रुप के लिए यह प्रस्तावित साझेदारी वैश्विक स्तर पर विविधीकृत और एकीकृत तांबा मूल्य श्रृंखला विकसित करने की दिशा में एक रणनीतिक कदम है। इसके तहत चिली में तांबे के खनिज संसाधनों को भारत के मुंद्रा स्थित तांबा स्मेल्टर परिसर से जोड़ा जाएगा। इससे ऐसे खनिज की दीर्घकालिक आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी, जो विद्युतीकरण और वैश्विक ऊर्जा बदलाव के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

केसीएल के निदेशक जीत अदाणी ने कहा, तांबे जैसे महत्वपूर्ण संसाधन हमारे भविष्य के बदलाव के केंद्र में हैं। हम इस रणनीतिक साझेदारी को सिर्फ खनन परिसंपत्ति के रूप में नहीं, बल्कि भारत के भविष्य में दीर्घकालिक निवेश



के रूप में देखते हैं। वैश्विक तांबा संसाधनों तक मजबूत पहुंच सुनिश्चित करके हम उन महत्वपूर्ण उद्योगों के लिए आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत कर रहे हैं, जो देश की विकास यात्रा को गति दे रहे हैं। इनमें नवीकरणीय ऊर्जा, उन्नत विनिर्माण, बुनियादी ढांचा और प्रौद्योगिकी क्षेत्र शामिल हैं।

जीत अदाणी ने आगे कहा, यह साझेदारी भारत की संसाधन सुरक्षा बढ़ाने और वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनने की उसकी यात्रा को समर्थन देने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।वहीं, कोडेल्को के लिए यह पहल सार्वजनिक-निजी भागीदारी के माध्यम से अपने अन्वेषण पोर्टफोलियो से मूल्य सृजित करने की रणनीति का हिस्सा है। इसके तहत जोखिम साझा करते हुए विकास की क्षमता रखने वाली तांबा परियोजनाओं को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाएगी।

कोडेल्को के बोर्ड के अध्यक्ष बर्नार्डो फॉन्टेन ने कहा, यह समझौता ज्ञापन पिछले एक साल के दौरान अदाणी समूह के साथ किए गए हमारे काम की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रक्रिया वैश्विक स्तर के साझेदारों को आकर्षित करने और अपने अन्वेषण पोर्टफोलियो से मूल्य सृजित करने की कोडेल्को की क्षमता को दर्शाती है। साथ ही, यह कंपनी और चिली सरकार के दीर्घकालिक हितों की रक्षा भी करती है।

इस समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हाल ही में लंदन में आयोजित %एलएमई वीक 2026% के दौरान जीत अदाणी, अदाणी नेचुरल रिसोर्सेज के सीईओ डॉ. विनय प्रकाश और बर्नार्डो फॉन्टेन की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए।

प्रस्तावित साझेदारी के तहत अदाणी समूह पूंजी, प्रौद्योगिकी आधारित अन्वेषण और बड़े पैमाने पर परियोजनाओं को क्रियान्वित करने की क्षमता उपलब्ध कराएगा। वहीं, कोडेल्को अपने गहन भूवैज्ञानिक ज्ञान और अंतरराष्ट्रीय अनुभव का योगदान देगा। इससे कबुरकाला परियोजना में अन्वेषण कार्य को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।

दोनों कंपनियों का ध्यान जिम्मेदार अन्वेषण, सुरक्षा के उच्च मानकों, पर्यावरण संरक्षण और दीर्घकालिक मूल्य सृजन पर रहेगा।

एमसीएक्स में बिकवाली का माहौल, सोना-चांदी और क्रूड ऑयल में गिरावट

नई दिल्ली, (ए.) । घरेलू कमोडिटी मार्केट (मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज-एमसीएक्स) में आज दिन के ट्रेडिंग सेशन के दौरान चौतरफा बिकवाली और भारी गिरावट का माहौल बना रहा। दिवाली और भाईदूज का त्योहारी सीजन समाप्त होने के बाद हाजिर मांग में आई सुस्ती और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमती धातुओं की फिसलन का सीधा असर एमसीएक्स में आज दिन के कारोबार के दौरान देखने को मिला। शाम छह बजे तक के कारोबार में सोना, चांदी और कच्चा तेल तीनों ही गहरे लाल निशान में कारोबार करते नजर आए।मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर आज सोने और चांदी की कीमतों में जोरदार गिरावट दर्ज की गई। शाम के सत्र तक एमसीएक्स पर सोना वायदा 1,502 रुपये यानी 1.08 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 1,38,214 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया। इसी तरह चांदी वायदा में भी भारी बिकवाली हावी रही और यह 2,813 रुपये यानी 1.52 प्रतिशत टूटकर 1,81,712 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर कारोबार करती हुई देखी गई।

आरबीआई के रेपो रेट में बढ़ोतरी का दिखने लगा असर; कई सरकारी और निजी बैंकों ने लोन की ब्याज दरों में किया इजाफा



नई दिल्ली (ए.) । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से बीते महीने रेपो रेट में 25 आधार अंक की वृद्धि करने के बाद, देश के निजी और सरकारी बैंकों ने मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड्स बेस्ड लेंडिंग रेट्स (एमसीएलआर) को बढ़ाना शुरू कर दिया है। इसमें एचडीएफसी बैंक, एसबीआई, पीएनबी, बैंक ऑफ बड़ौदा के साथ कई बैंकों का नाम शामिल है। एमसीएलआर, यह वह न्यूनतम ब्याज दर है, जिसके नीचे कोई भी बैंक अपने ग्राहकों को लोन नहीं दे सकता है। इसमें बढ़ोतरी से लोन लेने महंगा हो जाता है। देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने सबसे पहले एमसीएलआर में इजाफा किया। बैंक ने 3 महीने, 6 महीने, एक साल, 2 साल और 3 साल के लिए एमसीएलआर में 15 आधार अंक की वृद्धि की थी। यह वृद्धि 15 अक्टूबर से लागू हो गई है।

पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने ओवरनाइट से लेकर 3 साल के एमसीएलआर के ब्याज दर में 10 आधार अंक का इजाफा किया गया है। बैंक ऑफ इंडिया ने 3 महीने, 6 महीने, एक साल और 3 साल के लिए एमसीएलआर में 10 आधार अंक की बढ़ोतरी की है। दोनों बैंक की नई ब्याज दरें एक नवंबर से प्रभावी हो गई हैं।

देश के सबसे बड़ी निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने एमसीएलआर को 5-15 आधार अंक तक बढ़ा दिया है। बैंक ने सभी सात अवधि के एमसीएलआर में वृद्धि की है। नई ब्याज दरें 7 नवंबर से लागू हो गई हैं।

क्रिप्टो करेंसी मार्केट में सीमित दायरे में कारोबार, अभी भी 74 हजार डॉलर के नीचे ही कारोबार कर रहा है बिटकॉइन

नई दिल्ली(ए.)। अमेरिका में महंगाई के ऊंचे आंकड़ों और ब्याज दरों को लेकर बढ़ी चिंताओं के बीच आज क्रिप्टोकरेंसी मार्केट में हल्की सुस्ती और सीमित दायरे में कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। बाजार में सतर्कता का माहौल हावी होने के कारण अधिकांश प्रमुख डिजिटल संपत्तियां मामूली गिरावट के साथ लाल निशान में बनी हुई हैं। निवेशकों द्वारा ऊपरी स्तरों पर मुनाफावसूली करने से दुनिया की सबसे बड़ी आभासी मुद्रा बिटकॉइन आज भी 74 हजार डॉलर के मनोवैज्ञानिक स्तर के नीचे ही कारोबार कर रही है।क्रिप्टो करेंसी का कारोबार करने के लिए अधिकृत एजेंसी कॉइन मार्केट कैप से मिले ताजा और लाइव आंकड़ों के मुताबिक, भारतीय समय के अनुसार आज शाम ठीक छह बजे दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन पिछले 24 घंटे के कारोबार के दौरान 0.21 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ कारोबार कर रही है। इसके चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में बिटकॉइन का भाव 73,490.06 डॉलर यानी भारतीय मुद्रा में करीब 69.10 लाख रुपये के स्तर पर बना हुआ है। इसी तरह दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी एथेरियम भी बिकवाली के हल्के दबाव में फंसकर 0.42 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,047.52 डॉलर के भाव पर कारोबार कर रही है।



त्योहारी सीजन और मेगा इश्यू के दबाव से प्राइमरी मार्केट पर लगा ब्रेक, जल्द लौटेगी प्राइमरी मार्केट की रौनक



नई दिल्ली, (ए.)। भारतीय शेयर बाजार के प्राइमरी मार्केट में सितंबर और अक्टूबर के दौरान जबरदस्त हलचल देखने को मिली। इन दोनों महीनों के दौरान कंपनियों ने आईपीओ के जरिए निवेशकों से बड़ी रकम जुटाई। लेकिन नवंबर की शुरुआत होते ही इस रफ्तार पर अचानक ब्रेक लग गया है। इस महीने के शुरुआती 12 दिनों में अब तक कोई नया मेनबोर्ड आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए नहीं खुला है। हालांकि अभी भी 123 कंपनियां ऐसी हैं, जिन्हें मार्केट रेगुलेटर सेबी की ओर से आईपीओ लाने की मंजूरी मिल चुकी है और वे सेकेंड्री मार्केट में सही माहौल बनने का इंतजार कर रही हैं।

प्राइमरी मार्केट के लिए सितंबर और अक्टूबर का महीना काफी शानदार रहा था। सितंबर में कुल 34 कंपनियों ने आईपीओ के जरिए 39,381 करोड़ रुपये जुटाए। इसमें नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के आईपीओ की अहम भूमिका रही। अकेले इस इश्यू से 22,563 करोड़ रुपये जुटाए गए।अक्टूबर में आईपीओ बाजार ने सितंबर का आंकड़ा भी पीछे छोड़ दिया। इस दौरान 13 कंपनियों ने कुल 44,506 करोड़ रुपये जुटाए। इस तरह दोनों महीनों में कंपनियों ने मिलकर 83,887 करोड़ रुपये की पूंजी बाजार से हासिल की। अक्टूबर की फंडिंग में सबसे बड़ा योगदान जियो प्लेटफॉर्म्स के आईपीओ का रहा। कंपनी ने इस इश्यू के जरिए 30,188 करोड़ रुपये जुटाए। यह भारतीय शेयर बाजार के इतिहास का सबसे बड़ा आईपीओ बना। इससे पहले ह्युंडई मोटर इंडिया का 27,859 करोड़ रुपये का आईपीओ इस मामले में सबसे आगे था।जियो प्लेटफॉर्म्स का आईपीओ 21 से 23 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। कंपनी ने शेयर का इश्यू प्राइस 1,119 रुपये तय किया था। 28 अक्टूबर को शेयर बाजार में इसकी लिस्टिंग हुई। शेयर ने करीब 21.4 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 1,358 रुपये पर कारोबार शुरू किया।

इतने बड़े आईपीओ में निवेशकों की भारी भागीदारी ने एक तरफ भारतीय पूंजी बाजार की क्षमता दिखाई, वहीं दूसरी तरफ इसका असर दूसरे प्रस्तावित आईपीओ पर भी पड़ा। कई कंपनियों और उनके मर्चेंट बैंकरों ने अपने इश्यू की लॉन्चिंग को इसकी वजह से ही आगे बढ़ाना बेहतर समझा।

फॉरेक्स मार्केट में डॉलर के मुकाबले 34 पैसे की कमजोरी के साथ बंद हुआ रुपया

नई दिल्ली, (ए.) । घरेलू विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार (फॉरेक्स मार्केट) में आज भारतीय मुद्रा रुपये में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। दिनभर के कारोबार के बाद रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले पिछले बंद भाव 93.69 के मुकाबले 34 पैसे की कमजोरी के साथ 94.03 प्रति डॉलर (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुआ। अमेरिकी मुद्रा डॉलर में आई मजबूती और घरेलू शेयर बाजार में ऊपरी स्तरों से हुई मुनाफावसूली का सीधा असर भारतीय मुद्रा रुपये की सेहत पर दिखाई दिया।आज सुबह इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय रुपया 4 पैसे की गिरावट के साथ 93.73 प्रति डॉलर के स्तर पर खुला था। कारोबार की शुरुआत होने के बाद से ही डॉलर की मांग और इक्विटी मार्केट में डॉलर के इनफ्लो की वजह से रुपये की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। विदेशी निवेशकों के इक्विटी मार्केट में डॉलर इनफ्लो बढ़ाने पर रुपया मजबूत होकर 93.58 के स्तर तक गया। अंतिम सत्र में ऑयल इंपोर्टर कंपनियों और विदेशी बैंकों की डॉलर लिवाली तेज होने से रुपया 94.05 के स्तर को पार कर गया।अमेरिकी डॉलर के साथ-साथ दुनिया की अन्य प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं की तुलना में भी आज भारतीय रुपये के प्रदर्शन में उतार-चढ़ाव होता रहा। ब्रिटिश पॉन्ड के मुकाबले भारतीय रुपये में दिनभर हल्की मजबूती का रुख बना रहा, जिससे पॉन्ड मामूली गिरावट के साथ 124.81 रुपये के स्तर के आसपास कारोबार करता हुआ देखा गया।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

पैमानों का फर्क है

गरीबी में भारी गिरावट का दावा करने वाली विश्व बैंक की रिपोर्ट आने के सिर्फ दो दिन पहले केपीएमजी-इंडिया ने बताया था कि भारत की 35 फीसदी आबादी कुपोषण या खाद्य असुरक्षा से ग्रस्त है।

विश्व बैंक के मुताबिक भारत की अब सिर्फ 2.6 फीसदी आबादी चरम गरीबी की अवस्था में है। विश्व बैंक की चरम गरीबी का फॉर्मूला 2021 के कीमतों के मुताबिक क्रय शक्ति समतुल्यता (पीपीपी) पर प्रति दिन प्रति व्यक्ति खर्च क्षमता तीन डॉलर यानी लगभग 63 रुपये है। बैंक ने कहा कि 2011-23 के बीच भारत में 49 करोड़ 60 लाख लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर लाया गया। अब इस रेखा के नीचे भारत में अब केवल लगभग 14 प्रतिशत आबादी है। बैंक की गरीबी रेखा प्रति दिन पीपीपी 4.2 डॉलर यानी लगभग 87 रुपये है।

यानी मासिक तकरीबन 2,700 रुपये। घर में चार व्यक्ति हों, तो जिस परिवार की मासिक आय 10,800 रुपये है, विश्व बैंक की परिभाषा के मुताबिक वह गरीब नहीं है। अब इस रकम में कोई परिवार क्या उपभोग करेगा और उसका जीवन स्तर कैसा होगा, यह अंदाजा लगाया जा सकता है। इस रूप में सोचते हुए इस विडंबना को बेहतर समझा जा सकता है कि विश्व बैंक की ये रिपोर्ट आने के सिर्फ दो दिन पहले मार्केटिंग एजेंसी केपीएमजी- इंडिया ने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि भारत की 35.5 प्रतिशत आबादी यानी लगभग 52 करोड़ लोगों को क्रय शक्ति की कमी के कारण स्वस्थ और पौष्टिक आहार नहीं मिल पा रहा है। केपीएमजी ने कहा कि भारत के पास अनाज की पर्याप्त उपलब्धता के बावजूद देश की एक तिहाई से ज्यादा आबादी कुपोषण या खाद्य असुरक्षा से ग्रस्त है।

तो ऐसे परस्पर विरोधी आंकड़ों को देख कर आम इनसान तो दूर, अर्थव्यवस्था को समझने वाले पढ़े-लिखे लोगों का भी दिमाग चकरा जाए, तो उसे स्वाभाविक ही माना जाएगा। और ऐसा नहीं है कि ऐसे अंतर्विरोध नासमझी या आंकड़ों के अभाव के कारण पैदा होते हैं। अब इस बारे में पर्याप्त अध्ययन है, जिसके मुताबिक चालू नीतियों और जारी आर्थिक सोच को वैध एवं आम जन में स्वीकार्य बनाने के लिए आंकड़ों की व्याख्या के तरीके गुजरे दशकों में इज़ाद किए गए। और जब मकसद जमीनी हकीकत को समझना नहीं, बल्कि नैटेरिव गढ़ना हो, तो फिर बात ही पलट जाती है। लेकिन नैरेटिव समस्या का समाधान नहीं हैं।

जनगणना के नए नियम पर विवाद क्यों

छह साल की देरी से हो रही जनगणना के लिए इसके नियमों में संशोधन किया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन आने वाले भारत के महापंजीयक कार्यालय ने जनगणना अधिनियम 1948 की धारा 18 की उपधारा एक के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए जनगणना नियम 1990 में कुछ और बदलाव करने के लिए निर्देश जारी किए हैं। इनमें प्रस्तावित बदलावों को लेकर कांग्रेस पार्टी ने आपत्ति दर्ज कराई है। कांग्रेस की आपत्तियों पर बात करने से पहले उन दो बदलावों को रेखांकित करने की आवश्यकता है, जो अपनी प्रकृति में बिल्कुल नई हैं। पहला, महापंजीयक कार्यालय ने पहली बार सरकारी स्कूलों व कार्यालयों के कर्मियों के साथ साथ निजी स्कूलों और ट्रस्टों के कर्मियों को भी जनगणना के काम में शामिल करने का प्रस्ताव किया है और दूसरा, किसी सामान्य नागरिक को भी बतौर वॉलंटियर इसमें शामिल करने का प्रस्ताव है। महापंजीयक कार्यालय की ओर से 16 अक्टूबर को जारी अधिसूचना के मुताबिक, 'ऐसा कोई व्यक्ति, जिसे राज्य सरकार या संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन, प्रगणक के रूप में कर्तव्यों का निष्पादन करने के लिए उपयुक्त समझे' उसे जनगणना के काम में लगाया जा सकता है।

कांग्रेस ने इस प्रस्ताव पर आपत्ति की है। कांग्रेस का कहना है कि राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के लोगों को जनगणना के काम में शामिल करने के लिए यह बदलाव किया जा रहा है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया है कि इस साल 10 से 12 जुलाई को कर्नाटक के बेलगाम में आरएसएस के कार्यकर्ताओं का एक बड़ा प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया था, जिसका एकमात्र एजेंडा जनगणना 2027 था। उनका कनहा है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 26 मई 2026 को देश की बदलती डेमोग्राफी पर सुझाव देने के लिए एक उच्चस्तरीय कमेटी का गठन किया था। उस कमेटी में सभी सदस्य आरएसएस हैं और उसके सुझाव पर ही जनगणना के नियमों में बदलाव किया जा रहा है। कांग्रेस को आशंका है कि डेमोग्राफी पर बनी कमेटी और आरएसएस के लोगों को जनगणना में शामिल करके एसआईआर की तरह जनगणना के आंकड़ों में भी खतरनाक तरीके से हेरफेर किया जाएगा। हालांकि खतरनाक रूप से क्या हेराफेरी हो सकती है यह कांग्रेस ने नहीं बताया है। फिर भी कांग्रेस की आशंका को आधारहीन बता कर खारिज नहीं किया जा सकता है। लेकिन सवाल है कि क्या भारत में ऐसी एक व्यवस्था की आवश्यकता नहीं है, जहां वालंटियर्स यानी स्वैच्छिक



कार्यकर्ताओं की मदद से जनगणना, मतदाता सूची के पुनरीक्षण, सामाजिक व आर्थिक सर्वेक्षण, नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे जैसे काम कराए जाएं?

ध्यान रहे दुनिया भर के देशों में ऐसी व्यवस्था है। पता नहीं कांग्रेस और दूसरी पार्टियों ने कभी इसका अध्ययन करने का प्रयास किया है या नहीं कि अमेरिका में लगभग पूरा चुनाव वालंटियर्स की देखरेख में होता है। वहां भारत के चुनाव आयोग जैसी कोई केंद्रीय संस्था नहीं है। राज्यों में अपनी अपनी संस्थाएं हैं। लेकिन उनमें भी बहुत लंबी चौड़ी वर्क फोर्स नहीं है और न चुनाव कराने के लिए स्कूलों के शिक्षक व सरकारी कर्मचारियों को बड़े पैमाने पर शामिल किया जाता है। थोड़े से सरकारी कर्मचारी और ढेर सारे वॉलंटियर मिल कर चुनाव कराते हैं। दशकों से ऐसे ही चुनाव होते हैं और डोनाल्ड ट्रंप के आने से पहले किसी ने चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ी के आरोप भी नहीं लगाए थे। भारत में इस तरह की व्यवस्था बनाने की बहुत आवश्यकता है।

भारत में आजादी के बाद से ही तदर्थ प्रक्रिया चल रही है। सरकारी कर्मचारियों को और उसमें भी सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को किसी भी तरह की ड्यूटी में लगा दिया जाता है। मतदाता सूची का 'संक्षिप्त' या 'विशेष संक्षिप्त' या 'विशेष गहन' पुनरीक्षण होना है तो सरकारी शिक्षक करेंगे, मतदान कराना है तो सरकारी शिक्षक कराएंगे, मतगणना करनी है तो सरकारी शिक्षक करेंगे, सामाजिक व आर्थिक सर्वे करना हो, नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे करना हो, पशुओं की गिनती करनी हो, टीकाकरण करना हो, कोरोना या बाढ़ जैसी कोई महामारी में राहत बांटना हो, सारे काम सरकारी शिक्षकों को करने होते हैं। कुछ दिन पहले ही एक शिक्षक ने सोशल मीडिया में तंज करते हुए कहा कि वह तो अच्छा है कि सरकार कृषि कार्य नहीं कराती है अन्यथा फसलों की बुवाई, कटाई भी सरकारी स्कूल के शिक्षक करते। सचमुच ऐसी ही स्थिति है। इसका सीधा असर शिक्षा व्यवस्था पर पड़ता है। अभी एसआईआर की प्रक्रिया चल रही है तो राजधानी दिल्ली जैसे राज्य में सैकड़ों स्कूल एक एक शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं। सरकारी स्कूलों के शिक्षकों से ये सब काम कराने से साल के कई महीने तक पढ़ाई, लिखाई का काम लगभग पूरी तरह से ठप्प रहता है।

सरकार ने अब अनुदान प्राप्त और बिना अनुदान वाले निजी स्कूलों के शिक्षकों को भी इसमें शामिल करने का प्रस्ताव दिया है। इससे वहां भी सरकारी स्कूलों जैसे ही पढ़ाई प्रभावित होगी। ऐसा लग रहा है कि सरकार स्कूली शिक्षा को पूरी तरह से बरबाद करने का संकल्प किए हुए है। वैसे पिछले दिनों आरएसएस से जुड़े रहे एक युवा स्कॉलर के मुंह से सुनने को मिला कि स्कूली शिक्षा को लेकर 'भाई साहेब' लोग क्या सोच रहे हैं। एक 'भाई साहेब' ने उस युवा स्कॉलर से कहा था कि कॉलेज पहुंचने वाले युवा इतने आंदोलित इसलिए हो रहे हैं क्योंकि देश में आज भी बड़ी संख्या में अच्छे स्कूल चल रहे हैं, जहां से वे पढ़ कर आते हैं। कॉलेज और यूनिवर्सिटीज की पढ़ाई और प्रशासन की व्यवस्था तो पिछले कुछ बरसों में पूरी तरह से बिगाड़ दी गई है। लेकिन चूंकि वे अच्छे स्कूल से आते हैं तो बिगड़े हुई व्यवस्था वाले कॉलेजों में एडजस्ट होने में उनको दिक्कत होती है। सो, इसका उपाय यह है कि स्कूली शिक्षा को भी वैसे ही बरबाद कर दिया जाए जैसे कॉलेज और यूनिवर्सिटीज को किया गया है।

बहरहाल, अगर सरकार गंभीर है तो उसे कांग्रेस की आलोचना की परवाह नहीं करनी चाहिए और देश में ऐसे कामों के लिए वॉलंटियर्स का नेटवर्क तैयार करना चाहिए। इससे देश के युवाओं को सीजनल रोजगार भी मिलेगा और यह बड़ी वर्क फोर्स तैयार होगी। ध्यान रहे देश की आबादी डेढ़ सौ करोड़ है और यहां जनगणना और चुनाव से लेकर अलग अलग तरह के सर्वेक्षण का काम बहुत बड़े पैमाने पर होता है। इसके लिए पढ़े, लिखे बेरोजगार नौजवानों को अगर वालंटियर के तौर पर शामिल किया जाए तो यह योजना ग्रामीण रोजगार की मनरेगा जैसी योजना से बड़ी हो सकती है और इसमें ज्यादा लोगों को रोजगार मिल सकता है। इसके लिए बहुत गहन गंभीर प्रशिक्षण की आवश्यकता भी नहीं होती है। सरकार एक बार प्रशिक्षण की व्यवस्था करके वालंटियर्स की फौज तैयार कर सकती है। यह वर्क फोर्स सरकारी कामकाज तो करेगी ही साथ ही निजी कंपनियों, विज्ञापन एजेंसियों, चुनावी सर्वे करने वाली कंपनियों आदि के लिए भी उपलब्ध रहेगी।इस मामले में कांग्रेस की आलोचना का कोई खास आधार नहीं है। अगर सरकारी शिक्षक ही जनगणना करेंगे तो क्या गारंटी है कि जयराम रमेश जिस हेरफेर की आशंका जता रहे हैं वह नहीं होगी? आखिर मतदाता सूची का काम तो सरकारी लोग ही कर रहे हैं तो क्या कांग्रेस को उस पर भरोसा है? जयराम रमेश को यह समझना चाहिए सरकारी और निजी शिक्षकों में भी संघ और भाजपा के प्रति रूझान रखने वाले लोग होंगे और कांग्रेस व विपक्ष को पसंद करने वाले भी होंगे। वैसे ही चुनाव कराने या जनगणना के लिए वॉलंटियर नियुक्त होंगे तो उसमें भी हर विचार और राजनीतिक रूझान वाले लोग होंगे। अगर पेशेवर तरीके से कामकाज का वातावरण बनता है, तकनीक का बेहतर इस्तेमाल होता है और निगरानी की ईमानदार व्यवस्था बनती है तो वॉलंटियर वाली व्यवस्था एक साथ भारत की कई समस्याओं का समाधान कर सकती है।

यूपी में कांग्रेस क्या चाहती है?

किसी को समझ में नहीं आ रहा है कि कांग्रेस उत्तर प्रदेश में आखिर क्या चाहती है? कांग्रेस पार्टी के नेता समाजवादी पार्टी से तालमेल में 180 सीटों की मांग कर रहे हैं। कई नेताओं ने तो दो सौ सीटों यानी बराबर सीटों की मांग कर दी है। उत्तर प्रदेश में इसके पोस्टर भी लग गए हैं। हालांकि कांग्रेस की इस मांग का कोई ठोस आधार नहीं है। कांग्रेस के प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम का कहना है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की जीत में राहुल गांधी का बड़ा योगदान था। इसलिए कांग्रेस को ज्यादा सीट चाहिए। ऐसे में सवाल है कि अगर राहुल गांधी के योगदान से समाजवादी पार्टी जीती तो खुद कांग्रेस क्यों नहीं जीत गई?

2024 के लोकसभा चुनाव में सपा 63 सीटों पर लड़ी थी, जिसमें से 37 पर जीती। यानी उसका स्ट्राइक रेट 60 फीसदी रहा। दूसरी ओर कांग्रेस 17 सीटों पर लड़ी और उसमें से छह सीटों पर जीती। यानी उसका स्ट्राइक रेट 35 फीसदी रहा। अगर राहुल गांधी के कारण यूपी में गठबंधन जीत रहा था तो कांग्रेस की स्ट्राइक रेट भी 60 फीसदी के आसपास होनी चाहिए थी?

जाहिर है कि उत्तर प्रदेश में विपक्षी गठबंधन की जीत में कांग्रेस का कोई खास योगदान नहीं था। गठबंधन की जीत में संविधान व आरक्षण बचाने के नैरेटिव, भाजपा के खिलाफ बने माहौल, सपा की सांगठनिक ताकत, उसके सामाजिक आधार और टिकट बंटवारे का बड़ा योगदान था। इसलिए कांग्रेस की अपनी ताकत का आकलन 2022 के विधानसभा चुनाव से करना चाहिए। उस समय कांग्रेस अकेले लड़ी थी तो उसे 2.33 फीसदी वोट और दो सीटें मिली थीं। सोचें, 399 सीटें लड़ कर कांग्रेस को सिर्फ दो सीटें मिलीं।

दूसरी ओर सपा ने रालोद और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी से तालमेल करके लड़ा और अकेले 111 सीटें जीतीं उसे 32 फीसदी से ज्यादा वोट मिले। इससे पहले 2017 में वह कांग्रेस के साथ लड़ी थी तो उसे सिर्फ 47 सीटें मिली थीं और वोट महज 21 फीसदी मिले थे। दो साल बाद 2019 में कांग्रेस और सपा अलग अलग लड़े। कांग्रेस को लोकसभा चुनाव में सिर्फ एक सीट मिली थी। राहुल गांधी अमेठी सीट हार गए थे। दूसरी ओर सपा और बसपा के गठबंधन ने 15 सीटें जीती थीं, जिसमें से सपा को पांच और बसपा को 10 सीटें मिली थीं।

सो, कांग्रेस को अपनी वास्तविक ताकत का आकलन 2017, 2019 और 2022 के चुनावों से करनी चाहिए। लेकिन वह 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजे की एकतरफा व्याख्या करके ज्यादा सीटों के लिए दबाव बना रही है। कांग्रेस पार्टी ऐसा इसलिए कर रही है क्योंकि उसको लग रहा है कि दलित और मुस्लिम मतदाताओं में उसकी पैठ बढ़ी है और वह इन दोनों का वोट ट्रांसफर कराने की स्थिति में है।

कांग्रेस के नेताओं का कहना है कि सपा के पास सिर्फ 10 फीसदी के करीब यादव का वोट है, जबकि 40 फीसदी के करीब मुस्लिम और दलित का वोट है, जिसका रूझान कांग्रेस की ओर है। हालांकि कम से कम मुस्लिम मतदाताओं के बारे में कहा जा सकता है कि वे अभी सपा के साथ हैं क्योंकि उनको लग रहा है कि सपा के पास एक अतिरिक्त वोट है, जिसके साथ जुड़ कर वे भाजपा को चुनौती दे सकते हैं। कांग्रेस इस बात को समझ रही है कि वह अकेले लड़ कर मुस्लिम वोट नहीं हासिल कर सकती है। तभी वह 180 सीटों का दबाव बना रही है ताकि मोलभाव करके वह अच्छी संख्या में और जीत सकने लायक सीटें हासिल कर ले।दूसरी ओर कांग्रेस के कई नेता मान रहे हैं कि भाजपा खेमे के सांसद परिमल नाथवानी के बेटे धनराज नाथवानी को राज्यसभा टिकट देने के मामले में सपा को एक्सपोज करके अगर कांग्रेस अकेले लड़े तो वह मुस्लिम और दलित वोट के साथ साथ ब्राह्मण वोट भी अपने साथ जोड़ सकती है। यानी सत्ता विरोधी वोट की बड़ी दावेदार बन सकती है। इसमें रिस्क यह है कि अगर यह फॉर्मूला पूरी तरह से कारगर नहीं हुआ यानी मुस्लिम, दलित और ब्राह्मण का वोट कांग्रेस के साथ नहीं आया तो कांग्रेस एक्सपोज हो जाएगी। उलटे कांग्रेस के अकेले लड़ने के कारण सत्ता विरोधी वोटों के बंटवारे का लाभ भाजपा को मिल गया तो वह तीसरी बार सरकार में आ जाएगी। इसका अखिल भारतीय असर कांग्रेस के लिए निगेटिव होगा। उस पर सपा को हरवाने और भाजपा की जीत सुनिश्चित करने का आरोप लगेगा। एक हकीकत यह भी है कि कांग्रेस चाहती है कि किसी तरह से सपा की वैसी ही स्थिति हो जाए, जैसी तृणमूल कांग्रेस, राजद, आम आदमी पार्टी, शरद पवार की एनसीपी और उद्धव ठाकरे की शिव सेना की हुई है। चुनाव हारने या पार्टी टूटने के कारण ये दल कमजोर हुए हैं और इन दलों ने एक तरह से कांग्रेस का नेतृत्व स्वीकार कर लिया है। इनके नेता अब राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्ष की राजनीति करने के लिए तैयार हैं। शरद पवार और ममता बनर्जी जैसे नेता, जो कहते थे कि वे राहुल से नहीं सीधे सोनिया गांधी से बात करेंगे, वे भी अब राहुल के साथ बराबरी में बात करने की स्थिति में नहीं हैं।राहुल की परवाह नहीं करने या बराबरी में बात करने की स्थिति में अभी विपक्ष के दो ही नेता हैं। एक अखिलेश यादव और दूसरे हेमंत सोरेन। लगातार दो बार भाजपा को हराने के बाद हेमंत सोरेन का कद बहुत बड़ा हो गया है। उन्होंने झारखंड में आदिवासी, मुस्लिम और ईसाई का 40 फीसदी से ज्यादा बड़ा एक मजबूत वोट आधार बना लिया है। वहां कांग्रेस उनके ऊपर निर्भर है। इसी तरह उत्तर प्रदेश में 2022 में 111 विधानसभा सीट और 2024 में 37 लोकसभा सीट जीतने के बाद समाजवादी पार्टी ने भी विपक्ष के स्पेस पर एकछत्र अधिकार कर लिया है।



मेष राशि: आज का दिन अनुकूल मेष राशि वालों आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। माता-पिता के साथ आप अपने मन की बातें साझा करेंगे। जो लोग घर से दूर रहकर पढ़ाई कर रहे हैं, वे आज अपने परिवार से मिल सकते हैं।

वृषभ राशि: आज का दिन ठीक-ठाक वृषभ राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। आज आपको नकारात्मक सोचने से बचना चाहिए। आपके परिवार में खुशी का माहौल बना रहेगा। बच्चे आज आपकी उम्मीदों पर खरे उतरेंगे, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा।

मिथुन राशि: आज का दिन उत्तम मिथुन राशि वालों आज आपका दिन उत्तम रहेगा। काम के प्रति समर्पण होने से आप जल्दी ही सफलता की ओर अग्रसर होंगे। आज किसी अनुभवी व्यक्ति का सानिध्य मिलेगा, जिससे आपको अच्छा महसूस होगा। कोई खास कार्य संपन्न होने से आपका मन प्रसन्न रहेगा।

कर्क राशि: आज का दिन उत्तम कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज किसी मामले में अपनी समझ से काम करना होगा, तभी काम का परिणाम अच्छा मिलेगा। आज बड़ों का आशीर्वाद मिलेगा, जिससे आपकी सकारात्मकता बढ़ेगी।

सिंह राशि: आज उमंग और खुशी सिंह राशि वालों आज आपमें एक नई उमंग और खुशी रहेगी। आज आप जो भी काम करेंगे, उसे पूरे मन से करेंगे। आपको कोई नया अनुभव मिलेगा। मानसिक परेशानी का निवारण होगा, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आपका सामाजिक दायरा और सम्मान भी बढ़ेगा। आप किसी मित्र से सहयोग लेंगे।

कन्या राशि: आज का दिन अनुकूल कन्या राशि वालों आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। समाज सेवा से जुड़े लोगों का समाज में प्रभाव बढ़ेगा और लोगों का सहयोग मिलेगा। आज के दिन अपनी वाणी पर संयम बनाए रखें। किसी से बात करते समय मीठी भाषा का प्रयोग करें। आज आपको रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। परिवार के साथ कहीं घूमने जाएंगे। अगर आप लेखन के क्षेत्र से जुड़े हैं, तो आज आपको कोई बड़ी खुशखबरी मिलेगी। आपकी कोई कविता या कहानी लोगों को खूब पसंद आएगी।

तुला राशि: माता-पिता की सेवा में बीतेगा दिनतुला राशि वालों आज आपका दिन माता-पिता की सेवा में बीतेगा। आज आप जमीन से संबंधित कोई लेन-देन करने जा रहे हैं, तो पहले उसकी अच्छी तरह जांच-पड़ताल जरूर कर लें। आज का दिन सुखद बीतेगा।

वृश्चिक राशि: आज का दिन शानदार वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज युवाओं को अपनी पढ़ाई और करियर में एकाग्रता रखने से उचित परिणाम मिलेंगे। बच्चों की समस्याओं का समाधान निकालने के लिए कुछ समय उनके साथ जरूर बिताएं। आज कोई भी कागजी काम करते समय पहले अच्छी तरह जांच-पड़ताल कर लें। आमदनी में आज इजाफा होने से आप बेहतर महसूस करेंगे।

धनु राशि: आज उमंग से भरा रहेगा दिन धनु राशि वालों आज आपका दिन उमंग से भरा रहेगा। नौकरीपेशा लोगों की अच्छी आय होगी। प्रॉपर्टी से जुड़ी समस्याओं के लिए भागदौड़ के बाद काम बन जाएगा। सगे-संबंधियों से अच्छा तालमेल बनेगा। आज किसी जरूरतमंद की सहायता करने का मौका मिलेगा।

मकर राशि: आज का दिन बेहतरीन मकर राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज आपको अपने व्यवहार में सुधार लाने की जरूरत है, क्योंकि कभी-कभी आपका जल्दबाजी और आवेशपूर्ण स्वभाव लोगों के लिए परेशानियां खड़ी कर देता है।

कुंभ राशि: कार्यक्षेत्र में मिलेगी तरक्की कुंभ राशि वालों आज आपका दिन कार्यक्षेत्र में तरक्की दिलाने वाला रहेगा। आज किसी भी परिस्थिति में घबराने के बजाय अपनी बुद्धि और कार्य क्षमता का उपयोग करेंगे, तो समय रहते उचित हल भी निकल आएंगे। आज अनुभवी और वरिष्ठ लोगों के मार्गदर्शन तथा सलाह पर उचित अमल करें

मीन राशि: नौकरी में मिलेंगे अच्छे अवसर मीन राशि वालों आज आपका मन उत्साहित रहेगा। नौकरी कर रहे लोगों के लिए अच्छे ऑफर आने के योग बन रहे हैं और उनकी सैलरी में इजाफा होगा। आज कुछ समय एकांत या आध्यात्मिक स्थल पर व्यतीत करेंगे। भाइयों के साथ चल रही समस्या किसी वरिष्ठ व्यक्ति की सहायता से हल हो जाएगी।

कैंसर दवा सस्ती करने में बरसों, वाहवाही बटोरने में पल भर



प्रो. आरके जैन अरिजीत

कैंसर के मरीज के लिए दवा की कीमत केवल पैसों का सवाल नहीं, जिंदगी बचाने की उम्मीद होती है। किसी अपने को बचाने के लिए जूझ रहे परिवार के लिए 40 हजार रुपये की दवा मजबूरी बन जाती है और 40 रुपये की बचत भी मायने रखती है। ऐसे में वर्षों से आसमान छू रही कैंसर की दवाओं की कीमतों में 50 से 96 प्रतिशत तक की गिरावट बड़ी राहत है। लेकिन सवाल है कि जब सरकार के पास कीमतों पर लगाम लगाने का अधिकार पहले से था, तो मरीजों को इस राहत के लिए इतने साल क्यों इंतजार करना पड़ा? क्या सरकार को आम आदमी की पीड़ा तब तक दिखाई नहीं देती, जब तक अदालत को हस्तक्षेप कर सवाल उठाने न पड़ें और व्यवस्था की नींद न टूटे राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने 137 गैर-अनुसूचित कैंसर दवाओं पर ट्रेड मार्जिन 30 प्रतिशत तक सीमित किया है। 9 नवंबर 2026 से लागू इस फैसले से कई दवाओं की कीमतें 50 से 96 प्रतिशत तक घटी हैं। कभी 40-45 हजार रुपये में बिकने वाली कुछ दवाएं अब दो-तीन हजार रुपये में मिल रही हैं। सरकार/मंत्रालय के अनुसार, इससे मरीजों को सालाना करीब 3,540.38 करोड़ रुपये की बचत का अनुमान है। 85 कंपनियों ने 121 दवाओं की कीमतें संशोधित की हैं और 1,364 फॉर्मूलेशन प्रभावित हुए हैं। फैसला राहत देने वाला है, लेकिन इसे सरकारी उपलब्धि के रूप में प्रचारित करना उन मरीजों और परिवारों की पीड़ा भुलाना होगा, जिन्होंने महंगी दवाओं के लिए जमा-पूंजी, संपत्ति और अपनों तक को खो दिया।

आखिर कैंसर की दवाएं इतनी महंगी क्यों थीं? दवा की वास्तविक कीमत और मरीज तक पहुंचते-पहुंचते उसकी खुदरा कीमत में इतना बड़ा अंतर कैसे पैदा हो गया कि एक इंजेक्शन या कैप्सूल के लिए कई गुना रकम वसूली जाने लगी? ऊंचे ट्रेड मार्जिन ने दवा कंपनियों, वितरकों, थोक विक्रेताओं और खुदरा कारोबारियों के मुनाफे बढ़ाए, लेकिन इसकी कीमत मरीजों ने चुकाई। कैंसर से जूझता मरीज न दवा छोड़ सकता था, न कीमत पर सवाल उठा सकता था। बीमारी से टूटे परिवारों पर महंगे इलाज का आर्थिक बोझ भी लदता गया। शोध और विकास पर खर्च तथा कारोबारी मुनाफे के अपने तर्क हैं, लेकिन जीवनरक्षक दवाओं के कारोबार में मुनाफे की इतनी खुली छूट आखिर कैसे उचित ठहराई जा सकती है?

इस महंगाई की सबसे बड़ी कीमत उन परिवारों ने चुकाई, जिन्होंने अपनों को बचाने के लिए जीवनभर की कमाई लगा दी। किसी ने बेटी की शादी की रकम खर्च की, किसी मां ने गहने गिरवी रखे, तो किसी पिता ने घर-जमीन बेच दी। इसका कोई सरकारी हिसाब नहीं है। मध्यवर्ग की बचत खत्म हुई और गरीबों के लिए इलाज शुरू करना भी मुश्किल हो गया। अगली खुराक के पैसे न होने से इलाज अधूरा छूटा, बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हुई और परिवार कर्ज में डूबे। गांवों और छोटे शहरों में अनेक लोगों ने आर्थिक मजबूरी में इलाज की उम्मीद छोड़ दी। महंगी दवाओं ने कैंसर की मार और बढ़ा दी। यह केवल स्वास्थ्य व्यवस्था की विफलता नहीं, गंभीर सामाजिक त्रासदी थी।

दवाओं की कीमतें नियंत्रित करने के अधिकार सरकार और एनपीपीए के पास पहले से थे, फिर भी मरीज वर्षों तक महंगी दवाओं का बोझ उठाते रहे। ड्रग्स प्राइस कंट्रोल ऑर्डर के तहत सरकार असाधारण परिस्थितियों में कीमतें घटा सकती थी। वर्ष 2019 में 42 गैर-अनुसूचित कैंसर दवाओं पर भी ट्रेड मार्जिन 30 प्रतिशत तक सीमित किया गया था। इससे 526 ब्रांड प्रभावित हुए और सरकार ने सालाना 984 करोड़ रुपये की बचत का अनुमान जताया था। फिर बाकी दवाओं को नियंत्रण में लाने में इतनी देर क्यों हुई? क्या सरकारी बैठकों और रिपोर्टों के बीच मरीजों की पीड़ा अनसुनी होती रही? नियामक संस्थाओं का दायित्व केवल आदेश जारी करना नहीं, बाजार की मनमानी रोकना भी है।

सरकार की देरी पर सर्वोच्च न्यायालय ने भी सवाल उठाए। अक्टूबर 2026 की सुनवाई में अदालत ने दवाओं के खरीद मूल्य और मरीजों से वसूली जाने वाली कीमत के भारी अंतर पर चिंता जताई। 27 अक्टूबर को न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने पूछा कि वितरक स्तर पर करीब 11 हजार रुपये के कैंसर इंजेक्शन के लिए अस्पताल 1.30 लाख रुपये तक क्यों वसूल रहे हैं? अदालत ने इसे मरीजों के साथ लूट जैसा बताते हुए केंद्र से पूछा कि ट्रेड मार्जिन नियंत्रित करने में इतनी देर क्यों हुई। यह सवाल पूरी व्यवस्था पर है, जहां मरीजों की मजबूरी मुनाफे का जरिया बनती रही और नियामक तंत्र समय पर कदम नहीं उठा सका।

K K

राष्ट्रीय समाचार

शुक्रवार 13 नवम्बर 2026,नर्मदापुरम (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

छठ पर्व : मुंबई के स्टेशनों पर यात्रियों की भारी भीड़, टिकट के लिए घंटों तक इंतजार कर रहे लोग

मुंबई ,(आरएनएस)। देशभर के अलग-अलग हिस्सों से बड़ी संख्या में यात्री छठ पूजा नजदीक आने के साथ अपने गृह नगरों के लिए रवाना हो रहे हैं। मुंबई के रेलवे स्टेशनों पर भी यात्रियों की भारी भीड़ है। इस बीच यात्रियों को ट्रेन और टिकटों के लिए घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। हालांकि, यात्रियों ने स्टेशनों पर ठहरने और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर संतोष जताया। लोकमान्य तिलक टर्मिनस (एलटीटी) रेलने स्टेशन पर उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और अन्य पूर्वी राज्यों के यात्री बड़ी संख्या में पहुंचे हैं। रेलवे की ओर से विशेष ट्रेनें चलाने और अन्य इंतजाम करने के बावजूद त्योहार की इस भीड़-भाड़ के दौरान यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ निवासी एक युवक ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से कहा, मैं पिछले चार दिन से टिकट का इंतजार कर रहा था। सुबह 8 बजे से स्टेशन पर बैठे हैं और कुछ देर में ट्रेन रवाना होगी। युवक ने कहा कि भीड़ अधिक है और इसके कारण ट्रेनों में सीट मिल पाना मुश्किल होता है।

बिहार के निवासी अशोक ने कहा कि छठ पर्व के लिए घर लौटते समय सबसे बड़ी मुश्किल टिकट की होती है। कई दिनों के इंतजार करने के बावजूद टिकट नहीं मिल पाती है। स्टेशन पर भी टिकट मिल पाना मुश्किल होता है। अशोक ने बताया कि वे बुधवार दोपहर से स्टेशन पर ठहरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि सफर के दौरान भीड़ में यात्रियों के बीच आपसी विवाद और कहासुनी अक्सर होती है। ऐसी परेशानियों से जूझते हुए जाना होता है।

बुधवार दोपहर 3 बजे से स्टेशन पर बैठी एक महिला ने गुरुवार सुबह आईएएनएस को बताया, मैं छठ पर पहली बार अपने घर जा रही हूं। यहां रेलवे स्टेशन पर बहुत भीड़ है। इस बार टिकट कंफर्म नहीं हुआ, इसलिए स्टेशन से टिकट के लिए इंतजार करना पड़ रहा है।

पीएम मोदी कुशल वक्ता और मेहनती इंसान : सैम पित्रोदा

नई दिल्ली, (आरएनएस)। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कुशल वक्ता और मेहनती इंसान बताया है। कहा कि भले ही उनके बीच वैचारिक मतभेद हों लेकिन वो मानते हैं कि उनके गुजराती मित्र बहुत सहृदयी हैं। पित्रोदा की ये अप्रत्याशित टिप्पणी कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की अध्यक्ष सोनिया गांधी के उस कमेंट पर आई जिसमें उन्होंने पीएम मोदी को कुशल वक्ता करार दिया था। जब उनसे सोनिया की टिप्पणी पर सवाल पूछा गया तो पित्रोदा ने कहा, मैं एक इंसान के तौर पर उनका काफी सम्मान करता हूं।

उन्होंने कहा, वे मेरे गुजराती मित्र हैं। एक इंसान के तौर पर मैं उनका सम्मान करता हूं। मैं उनसे मिला हूं, मेरी पत्नी और मैं उनसे मिले थे। व्यक्तिगत तौर पर वे बहुत ही आत्मीय, दयालु, स्नेही और ख्याल रखने शख्स हैं। बेशक, वे एक अच्छे वक्ता हैं और मेहनती भी हैं। हमारी आपस में अच्छी बनती है।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने आगे कहा, हमारे बीच कोई व्यक्तिगत मतभेद नहीं हैं। एक गुजराती नेता, मित्र और शुभचिंतक के रूप में, मिस्टर मोदी के खिलाफ मेरे मन में कुछ भी नहीं है। वे मेरे प्रति बहुत आत्मीय हैं। इस बारे में कोई समस्या नहीं है। मैं इसकी सराहना करता हूं। और मेरी तरफ से भी। मैं कई बार गुजरात में उनके घर जा चुका हूं। फिर उन्होंने वैचारिक मतभेद की बात स्वीकारी। आगे बोले, लेकिन दुनिया को लेकर उनके विचारों से मुझे दिक्कत हो सकती है। मुझे उनकी विचारधारा से दिक्कत हो सकती है। लेकिन यह एक अलग बात है। यह किसी व्यक्ति के खिलाफ नहीं है, बल्कि उनके विचारों के खिलाफ है।

कई सीटों पर वोटों में कथित गड़बड़ी के दावों को चुनाव आयोग ने बताया भ्रामक, जारी किया विस्तृत फैक्ट-चेक

नई दिल्ली,(आरएनएस)। चुनाव आयोग (ईसीआई) ने बुधवार को सोशल मीडिया पर किए जा रहे उन दावों का फैक्ट-चेक जारी किया, जिनमें 2024 लोकसभा और विभिन्न विधानसभा चुनावों में डाले गए वोटों और गिने गए वोटों के बीच बड़े अंतर का आरोप लगाया गया था। आयोग ने इन दावों को भ्रामक बताया है और वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने के लिए अपने आधिकारिक इंडेक्स कार्ड और सांख्यिकीय रिपोर्टों के आंकड़े सार्वजनिक किए हैं। ये दावे मुख्य रूप से महाराष्ट्र, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के कुछ निर्वाचन क्षेत्रों को लेकर सोश ल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा किए गए थे।आयोग के अनुसार, कई मामलों में सोशल मीडिया पोस्ट में कुल पंजीकृत मतदाताओं की संख्या को ही कुल डाले गए वोट मान लिया गया या फिर अन्य आधिकारिक आंकड़ों की गलत व्याख्या की गई, जिससे रिकॉर्ड में मौजूद न होने वाले अंतर को दिखाया गया।महाराष्ट्र की मुंबई नॉर्थ लोकसभा सीट को लेकर दावा किया गया था कि यहां 18.11 लाख वोट डाले गए, लेकिन केवल 10.33 लाख वोटों की गिनती हुई, यानी 7.78 लाख वोट नहीं गिने गए।हालांकि, आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार इस सीट पर कुल 18,12,115 मतदाता थे। इनमें से 10,36,496 मतदाताओं ने मतदान किया, जिनमें 10,33,268 ईवीएम वोट और 3,228 डाक मतपत्र शामिल थे।



आयोग के दिशानिर्देशों के अनुसार 765 टेस्ट वोट और कंट्रोल यूनिट (सीयू) से प्राप्त न हो सकने वाले वोटों को अलग करने के बाद 10,35,731 वोटों की गिनती हुई। यहां मतदान प्रतिशत 57.20 फीसदी रहा।

आयोग ने स्पष्ट किया कि लगभग 7.75 लाख का अंतर उन मतदाताओं का है जिन्होंने मतदान ही नहीं किया था, न कि ऐसे वोटों का जिनकी गिनती नहीं हुई।

जम्मू-कश्मीर की श्रीनगर लोकसभा सीट को लेकर दावा किया गया था कि 6,66,046 वोट डाले गए, जबकि 6,72,942 वोटों की गिनती हुई, यानी 6,896 अतिरिक्त वोट गिने गए।आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक यहां कुल 17,48,803 मतदाता थे और 6,76,408 वोट डाले गए, जिनमें 6,72,942 ईवीएम वोट और 3,466 डाक मतपत्र शामिल थे।

1,009 टेस्ट वोट और अन्य निर्धारित कटौतियों के बाद कुल 6,75,399 वोटों की गिनती हुई। यहां मतदान प्रतिशत 38.68 फीसदी रहा।

आयोग ने कहा कि किसी भी प्रकार के अतिरिक्त वोट नहीं गिने गए।

महाराष्ट्र की बीड विधानसभा सीट को लेकर सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया गया कि 3.84 लाख वोट डाले गए, लेकिन केवल 2.39 लाख वोटों की गिनती हुई, जिससे 1.45 लाख वोटों के गायब होने का आरोप लगाया गया।

हालांकि रिकॉर्ड के अनुसार यहां कुल 3,84,885 मतदाता थे और 2,42,983 वोट डाले गए, जिनमें 2,38,845 ईवीएम वोट और 4,138 डाक मतपत्र शामिल थे। यही 2,42,983 वोट गिने भी गए। इस सीट पर मतदान प्रतिशत 63.13 फीसदी रहा। आयोग ने कहा कि लगभग 1.42 लाख का अंतर उन मतदाताओं का है, जिन्होंने वोट नहीं डाला।

महाराष्ट्र की दहाणु विधानसभा सीट को लेकर दावा किया गया कि 3.01 लाख वोट डाले गए, लेकिन केवल 2.21 लाख वोट गिने गए। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, यहां 3,01,257 मतदाता थे और 2,21,818 वोट डाले गए, जिनकी पूरी गिनती हुई। यहां मतदान प्रतिशत 73.63 फीसदी रहा। करीब 79 हजार का अंतर उन मतदाताओं का था जिन्होंने मतदान नहीं किया।हरियाणा की तोशम विधानसभा सीट को लेकर दावा किया गया कि 2.21 लाख वोट डाले गए, लेकिन सिर्फ 1.60 लाख वोट गिने गए। आयोग के रिकॉर्ड के अनुसार यहां 2,23,609 मतदाता थे, जबकि 1,61,872 वोट डाले गए। टेस्ट वोटों की मामूली कटौती के बाद 1,61,020 वोटों की गिनती हुई। मतदान प्रतिशत 72.39 फीसदी रहा। आयोग ने बताया कि यहां भी अंतर केवल उन मतदाताओं का है, जिन्होंने मतदान नहीं किया।

हरियाणा की कैथल विधानसभा सीट को लेकर एक दावा किया गया कि यहां सिर्फ 215 लोगों ने मतदान किया, जबकि आयोग ने 1,67,285 वोटों की गिनती दिखा दी।आयोग ने स्पष्ट किया कि 215 मतदाता नहीं, बल्कि मतदान केंद्रों (पोलिंग स्टेशनों) की संख्या है। वास्तविक आंकड़ों के अनुसार यहां 2,23,449 मतदाता थे और 1,68,851 वोट डाले एवं गिने गए। मतदान प्रतिशत 75.57 फीसदी रहा।जम्मू-कश्मीर की चेनानी, कोकेरनाग और पुलवामा विधानसभा सीटों पर भी चुनाव आयोग द्वारा 1,500 से 1,800 अतिरिक्त वोट गिने जाने के दावे किए गए थे।आयोग के अनुसार चेनानी में 85,189 वोट डाले गए और उतने ही गिने गए। कोकेरनाग में 57,542 वोट डाले गए और उतने ही गिने गए।

कंगना रनौत ने सोनिया गांधी से स्विस खातों को लेकर पूछे सवाल, राहुल गांधी के सेल्फ-गोल टैलेंट पर कसा तंज

नई दिल्ली,(आरएनएस)। अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने सोनिया गांधी की बायोग्राफी को लेकर कई सवाल उठाए हैं। उन्होंने गांधी परिवार से जुड़ी घटनाओं के बारे में सोनिया गांधी के बताए गए विवरण पर तंज कसा है। बायोग्राफी को सेल्फ-गोल बताते हुए कंगना ने राहुल गांधी पर भी निशाना साधा और कहा कि उन्होंने अपना सेल्फ-गोल टैलेंट अपनी मां से विरासत में पाया है। कंगना ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर ये बातें लिखीं, जिनमें उन्होंने राजीव गांधी की मौत, मेनका गांधी के परिवार से अलग होने और सोनिया गांधी की नागरिकता को लेकर टिप्पणी की। साथ ही उन्होंने स्विस बैंक खातों को लेकर बिना सबूत के आरोप भी लगाए। पहली स्टोरी में कंगना ने लिखा, सोनिया गांधी की बायोग्राफी एक ऐसा सेल्फ-गोल है। वह बताती हैं कि राजीव गांधी की मौत वाले दिन थकान और सुस्ती जैसे कारणों का हवाला देते हुए वे उनके साथ जाने से कैसे बचीं। तो अब हमें पता चल गया कि राहुल गांधी को अपना सेल्फ-गोल टैलेंट कहां से मिला है। उन्हें यह अपनी मम्मी से मिला है।

उन्होंने अगली स्टोरी में लिखा, राजीव सिर्फ एक शर्त पर सोनिया गांधी के पास वापस आने के लिए सहमत हुए। मेनका को जाना होगा। यह मेनका के लिए भी चौंकाने वाला था, खासकर इसलिए क्योंकि इसी समय, संजय की मौत के बाद, सोनिया गांधी ने भारत में 15 साल रहने के बाद भारतीय नागरिकता हासिल करने का फैसला किया।

कंगना ने ज़िक्र किया कि मेनका गांधी कहती हैं कि वह और इंदिरा गांधी दोनों एक तीसरे व्यक्ति की शिकार थीं।

बिहार के हाजीपुर में गंगा के कटाव ने बदली छठ पूजा की परंपरा, 20 गांवों के श्रद्धालु घरों में बनाएंगे कृत्रिम घाट

हाजीपुर,(आरएनएस)। बिहार के हाजीपुर में गंगा नदी में कटाव और बाढ़ की तबाही का असर अब लोक आस्था के महापर्व छठ पर भी दिखाई देने लगा है। कभी गंगा किनारे स्थित घाटों पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करते थे, लेकिन इस बार हालात पूरी तरह बदल गए हैं। नदी में लगातार हो रहे कटाव के कारण करीब 20 गांवों के लोगों को अपने पारंपरिक छठ घाटों से दूरी बनानी पड़ रही है। सुरक्षा को देखते हुए इन गांवों के श्रद्धालु अब अपने घरों और गांवों में ही कृत्रिम छठ घाट बनाकर पूजा-अर्चना करने की तैयारी कर रहे हैं। अजय पासवान ने बताया कि बाढ़ और गंगा नदी में लगातार हो रहे कटाव के कारण इलाके के करीब 20 गांव प्रभावित हुए हैं। देसरी, सहदेई, गनियारी, खड़गपुर और आजमपुर समेत आसपास के कई गांवों के लोग वर्षों से गंगा किनारे स्थित घाटों पर छठ महापर्व मनाते आ रहे हैं। इस दौरान गांव के लोग परिवार और आसपास के श्रद्धालुओं के साथ गंगा घाट पहुंचकर अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते थे। इससे



घाटों पर सामूहिक पूजा का विशेष माहौल रहता था। उन्होंने बताया कि इस बार गंगा नदी में भीषण कटाव के कारण पुराने घाटों पर जाना सुरक्षित नहीं रह गया है। नदी के किनारे लगातार जमीन का कटाव हो रहा है, जिससे श्रद्धालुओं के लिए घाट तक पहुंचना जोखिम भरा हो गया है। ऐसे में सभी प्रभावित गांवों के लोगों ने अपने-अपने गांवों में कृत्रिम छठ घाट बनाने का निर्णय लिया है।

वहीं, मंजय कुमार राम ने बताया कि गंगा नदी में तेजी से कटाव हो रहा है। इसके कारण नदी किनारे बसे इलाकों में लगातार खतरा बना हुआ है। ऐसे हालात में इस बार गंगा घाट पर जाकर छठ पूजा करना संभव नहीं है। श्रद्धालु अपने घरों में ही पानी की व्यवस्था कर कृत्रिम घाट बनाएंगे और विधि-विधान से भगवान सूर्य की उपासना करेंगे। गंगा किनारे छठ पूजा करना इन गांवों के लोगों की वर्षों पुरानी परंपरा रही है। हर साल बड़ी संख्या में श्रद्धालु एक साथ घाटों पर पहुंचकर छठी मइया की आराधना करते थे। हालांकि, प्राकृतिक आपदा और नदी के कटाव ने इस बार इस परंपरा के स्वरूप को बदल दिया है।

ग्रामीणों का कहना है कि छठ महापर्व आस्था, विश्वास और प्रकृति की उपासना का पर्व है। पूजा का स्थान बदलने से उनकी आस्था में कोई कमी नहीं आएगी। श्रद्धालु सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए घरों और गांवों में ही पूजा करेंगे। हालांकि, गंगा किनारे सामूहिक रूप से छठ मनाने की पुरानी रौनक और घाटों पर उमड़ने वाली भीड़ इस बार जरूर कम दिखाई देगी।

कुरान की आयत वाला पेंडेंट पहनकर फंसीं करीना कपूर, कांग्रेस नेता ने भेजा कानूनी नोटिस



मुंबई (आरएनएस)। अभिनेत्री करीना कपूर खान एक बार फिर विवादों में घिरी नजर आ रही हैं। दरअसल, अभिनेत्री ने दीपावली के शुभ अवसर पर शाही लुक अपनाया था, जिसमें उन्होंने 200 साल पुराना एक बेशकीमती पेंडेंट (30 कैरेट का पन्ना जड़ा हार) पहना था, जिस पर कुरान की आयतें लिखी हैं। कांग्रेस नेता अब्बास हफीज ने उन्हें कानूनी नोटिस भेजा है और मुस्लिम समुदाय से माफी मांगने की मांग की है। अब्बास हफीज का कहना है कि कुरान की आयत वाले धार्मिक आभूषण को फैशन एक्सेसरी के तौर पर पहनना और प्रदर्शित करना मुस्लिम समुदाय की धार्मिक भावनाओं को आहत करता है। उन्होंने सोशल मीडिया से संबंधित तस्वीरें और वीडियो हटाने तथा सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की है। उन्होंने मीडिया से बातचीत में बयान जारी करते हुए कहा, हमें इस बात से आपत्ति है कि भोपाल की बेगम का पेंडेंट इस्लामिक हैरिटेज से जुड़ा रहा है। इस पर कुरान की आयतें लिखी हैं, जिसे आयत-उल-कुर्सी कहते हैं। हमारे लिए यह बहुत पवित्र होती है और हम लोग उसे बिना वुजू (पवित्रता) के नहीं छूते हैं।

अब्बास हफीज ने साफ किया कि उन्हें अभिनेत्री करीना के पहनावे से कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा, हमें किसी के पहनावे से कोई आपत्ति नहीं है और न ही ये कोई विवाद है बल्कि हमें इससे आपत्ति है कि अभिनेत्री करीना कपूर खान दीपावली पर यह पेंडेंट पहनकर फ्लॉन्ट कर रही हैं। देखिए, ये भोपाल का तारीखी पेंडेंट है, जो इस्लाम में हैरिटेज से जुड़ा है। इसको फैशन परेड के लिए इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है।

काशीपुर में फर्नीचर के बड़े गोदाम में लगी आग, डेढ़ दर्जन से अधिक दमकल वाहनों ने पाया काबू

काशीपुर,(आरएनएस)। उत्तराखंड के ऊधम सिंह नगर जिले के काशीपुर में चीमा चौराहे के पास स्थित फर्नीचर के एक बड़े गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। सूचना पर पहुंची डेढ़ दर्जन से अधिक दमकल वाहनों ने आग पर काबू पाया। जानकारी के अनुसार गोदाम से उठती ऊंची-ऊंची लपटों और धुएं के गुबार को देखकर आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग की चपेट में आने से गोदाम में रखा फर्नीचर, फोम और अन्य सामान जलकर खाक हो गया। इस अग्निकांड में लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। आग पर काबू पाने के लिए काशीपुर सहित आसपास के क्षेत्रों और विभिन्न औद्योगिक इकाइयों से डेढ़ दर्जन से अधिक दमकल वाहन मौके पर बुलाए गए। यह घटना काशीपुर के व्यस्ततम चीमा चौराहे के पास स्थित इस फर्नीचर गोदाम में हुई, जिस समय गोदाम आग लगी वहां बड़ी मात्रा में फर्नीचर, फोम और अन्य ज्वलनशील सामग्री रखी हुई थी। इसके चलते आग तेजी से फैलती चली गई और कुछ ही देर में पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया।

प्रारंभिक तौर पर आग लगने के पीछे शॉर्ट सर्किट या आतिशबाजी की चिंगारी से फोम में आग लगने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, आग लगने के वास्तविक कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

घटना की सूचना मिलते ही काशीपुर अग्निशमन विभाग की टीम दमकल वाहनों के साथ मौके पर पहुंच गई।

अभिषेक बनर्जी के घर के सामने बना बांस का ढांचा हटाया गया, केएमसी ने चलाया बुलडोजर

कोलकाता ,(आरएनएस) । कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के कर्मचारियों ने कोलकाता पुलिस की मदद से गुरुवार को ममता-तृणमूल कांग्रेस महासचिव और डायमंड हार्बर से लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी के दक्षिण कोलकाता के कालीघाट स्थित आवास के सामने बना अस्थायी बांस का ढांचा हटा दिया। अस्थायी बांस के ढांचे को हटाने की प्रक्रिया बुधवार शाम को तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शुरू की थी। हालांकि, यह प्रक्रिया बाद में पूरी हुई, जब गुरुवार सुबह केएमसी कर्मचारी पुलिस के साथ बुलडोजर लेकर मौके पर पहुंचे और ढांचे को गिराकर हटा दिया।

पूरी तोड़फोड़ का काम भारी पुलिस बल की मौजूदगी में किया गया, जो किसी भी तरह के तनाव को बढ़ने से रोकने के लिए वहां मौजूद थे।

डायमंड हार्बर के सांसद के आवास की बाउंड्री वॉल के बाहर लंबे समय से लगा हुआ एक लोहे का गेट भी हटा दिया गया। पहले केएमसी कर्मचारियों ने गैस कटर से लोहे के गेट को काटा और फिर उसे हटा दिया। स्थानीय लोगों की शिकायत थी कि यह लोहे का गेट फुटपाथ पर अतिक्रमण करके लगाया गया था।

तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता अर्क कुमार नाग, जो अभिषेक बनर्जी के वकीलों में से एक हैं, ने दावा किया कि अस्थायी ढांचे को हटाने की प्रक्रिया बुधवार शाम को डायमंड हार्बर के सांसद के निर्देश पर तृणमूल कांग्रेस के कर्मचारियों ने शुरू की थी।

उन्होंने कहा, अस्थायी ढांचा पुलिस कर्मियों के बैठने की व्यवस्था के लिए था, जब डायमंड हार्बर के सांसद को पिछली व्यवस्था के दौरान जेड-प्लस सुरक्षा मिली हुई थी। अब, उस व्यवस्था में बदलाव के बाद, जेड-प्लस सुरक्षा हटा ली गई है। इसलिए उस अस्थायी निर्माण का कोई उपयोग नहीं था। इसलिए डायमंड हार्बर के सांसद ने अस्थायी बांस के ढांचे को हटाने का निर्देश दिया।

अभिषेक बनर्जी के घर के सामने का शेड पिछले कुछ दिनों से बहस का विषय बना हुआ था। 6 और 7 नवंबर की रात को सांसद के जन्मदिन के जश्न को लेकर कालीघाट में तनाव बढ़ गया था। उस समय कई लोग अस्थायी शेड के नीचे इकट्ठा होते देखे गए थे। इसके अलावा, कई स्थानीय निवासियों ने भी अस्थायी ढांचे को लेकर सवाल उठाने शुरू कर दिए थे। आरोप है कि फुटपाथ पर बना अस्थायी शेड पैदल चलने वालों के लिए परेशानी का कारण बन रहा था।डुबुधवार को अभिषेक बनर्जी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कोलकाता पुलिस पर अपने आवास के आसपास लगातार निगरानी रखने और उनकी जासूसी करने का आरोप लगाया था। इसके तुरंत बाद, तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अस्थायी बांस के ढांचे को हटाना शुरू कर दिया, और यह प्रक्रिया आज सुबह केएमसी कर्मचारियों ने पुलिस की मदद से पूरी की।

ओपी राजभर का अखिलेश यादव पर तंज, बोले- अफवाह फैलाकर यादव को कर रहे बर्बाद

लखनऊ,(आरएनएस) । सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए निशाना साधा है। उन्होंने अपने एक्स पोस्ट में लिखा, अखिलेश यादव, आप तो अभी तक सो ही रहे होंगे, लेकिन आपका पीडीए यानी पीट देगा अहीर आपके सीएम बनने की अफवाह भर से सो ही नहीं रहा है। ओपी राजभर ने इटावा की घटना का जिक्र करते हुए लिखा कि इटावा का गुंडा बिट्टू यादव अखिलेश यादव की दो-चार प्रेस कॉन्फ्रेंस देखकर इतना मनबढ़ हो गया कि उसको लगने लगा है कि अब तो उसकी गुंडई का राज वापस आने ही वाला है।

उन्होंने आरोप लगाया कि इसी हनक और सनक में उसने दलित चंद्रमोहन दिवाकर की संपत्ति पर कब्जा करने की कोशिश की। जनता ने रोकने की कोशिश की तो पहले जमकर गालियां दीं और फिर दलित चंद्रमोहन दिवाकर को बुरी तरह से पीटा।

ओपी राजभर ने बाराबंकी की घटना का भी जिक्र किया। उन्होंने लिखा कि बाराबंकी में तो आपका गुंडा प्रमोद यादव और भी आगे निकल गया। उसने दलित दिलीप पासी को पीट-पीटकर जान से मार डाला।

ओम प्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव से सवाल करते हुए लिखा, क्या एक तरफ आपके चाचा बोलते हैं कि कोई गुंडई करे तो उसे पार्टी से बाहर निकाल दो और वहीं दूसरी तरफ आपके गुंडे अपनी मनमानी कर रहे हैं, जब मन तब दलितों से मारपीट और गाली-गलौज कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सही कहते हैं, आप लोगों ने हर चौराहे पर गुंडों को पाल रखा है। राजभर ने पोस्ट में लिखा, मित्र अखिलेश जी, नींद



और भ्रम की दुनिया से बाहर आइए और अपने गुंडों को कंट्रोल कीजिए। बताइए कि यादव-यादव बोलकर ज्यादा सीना न ठोंकें, नहीं तो यूपी पुलिस ऐसे लोगों की ऐंठन दूर करने में बहुत काबिल है। फिर आप कहेंगे कि यादव के साथ गलत हो रहा है।

उन्होंने एक्स पोस्ट के अंत में लिखा, आपका काम यादव को फंसाना नहीं है, लेकिन अफवाह फैलाकर उन्हें बर्बाद कर रहे हैं। खैर, आप जानें। जय भारत, जय श्री राम, जय श्री कृष्ण, जय परशुराम, जय महाराजा सुहेलदेव।

प्रधानमंत्री मोदी के दौरे से पहले बेंगलुरु में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था, हजारों पुलिसकर्मी तैनात

बेंगलुरु,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बेंगलुरु दौरे से पहले शहर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। शहर में हजारों पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है और स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप सुरक्षा व्यवस्था पर कड़ी नजर रख रहा है। बेंगलुरु पुलिस ने उन सभी रास्तों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं, जिनसे होकर प्रधानमंत्री गुजरेंगे।

इस हाई-प्रोफाइल दौरे के लिए पुलिस के 3 संयुक्त आयुक्त, 15 उपायुक्त, 20 सहायक आयुक्त, 30 पुलिस निरीक्षक, 100 से अधिक उप-निरीक्षक और 1,000 से ज्यादा पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है।

एसपीजी की टीम लगभग 10 दिन पहले ही बेंगलुरु पहुंच गई थी और उसने प्रधानमंत्री के कार्यक्रमों से जुड़ी सभी जगहों का बारीकी से निरीक्षण किया है।

सुरक्षाकर्मियों ने उन रास्तों, मेट्रो रेल सुविधाओं और प्लेटफॉर्मों की जांच की है, जहां से प्रधानमंत्री मोदी गुजरेंगे। इसके अलावा, उन जगहों का भी निरीक्षण किया गया है जहां प्रधानमंत्री मोदी विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे।

नेपाल में बड़ा हादसा, खाई में यात्री वाहन गिरने से 10 लोगों की दर्दनाक मौत, मची चीख पुकार

काठमांडू(ए.)। मध्य नेपाल के मकवानपुर जिले में गुरुवार सुबह एक इलेक्ट्रिक यात्री वाहन के गहरी खाई में गिरने से 10 लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। एक वरिष्ठ सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) अधिकारी ने यह जानकारी दी।रिपोर्ट के अनुसार, जिले के भीमफेदी ग्रामीण नगर पालिका-6 के चिसापानी गढ़ी में गुरुवार तड़के एक वाहन सड़क से लगभग 700 मीटर नीचे खाई में गिर गया। इस हादसे में पांच पुरुष, तीन महिलाओं और दो बच्चों समेत 10 की मौत हो गई। जिले में तैनात एपीएफ के पुलिस अधीक्षक निवान कुमार खड़का ने आईएएनएस को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घायलों में से दो की हालत गंभीर है।एपीएफ के अनुसार, यात्री वाहन में 15 लोग सवार थे और यह राजधानी काठमांडू से दक्षिणी सर्लाही जिले के मुख्यालय मलंगवा जा रहा था। खड़का ने बताया कि घायलों में से तीन का इलाज बागमती प्रांत की राजधानी स्थित हेटौडा अस्पताल में चल रहा है। सुबह-सुबह हादसे की सूचना मिलने के बाद सुरक्षाकर्मियों को घटनास्थल पर भेजा गया। खड़का



ने बताया, "घटनास्थल के आसपास शव बिखरे हुए थे, 10 लोगों की मौत की पुष्टि तुरंत हो गई थी।" उन्होंने कहा कि अभी तक हादसे के कारण का पता नहीं चल पाया है। नेपाल पुलिस के अनुसार, 2025-26 (जुलाई मध्य तक) के दौरान सड़क हादसों में 2,707 लोगों की जान गई। पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक, देश में हर दिन औसतन सात लोगों की सड़क हादसों में मौत होती है और 82 लोग घायल होते हैं। नेपाल में विश्व बैंक के एक अध्ययन से पता चला है कि सड़क हादसों में होने वाली चोटों की आर्थिक लागत 2007 के मुकाबले तीन गुना बढ़ गई है, जो देश के सकल राष्ट्रीय उत्पाद (जीएनपी) के 1.5 प्रतिशत के बराबर है।विश्व बैंक के अनुसार, नेपाल में सड़क हादसों का सबसे ज्यादा खामियाजा निम्न आय वर्ग के लोगों को उठाना पड़ता है। सड़क हादसों में जान गंवाने वालों में 70 प्रतिशत से अधिक वे लोग हैं जो सड़क पर सबसे ज्यादा असुरक्षित होते हैं। इनमें पैदल चलने वाले, साइकिल सवार और मोटरसाइकिल सवार शामिल हैं।

Spain में आवास संकट के खिलाफ 14 साल बाद पहली बार राष्ट्रव्यापी हड़ताल, सड़कों पर उतरे लाखों लोग

मैड्रिड(ए.)। स्पेन में गहराते आवास संकट के खिलाफ राष्ट्रव्यापी आंदोलन में लाखों की संख्या में लोग शामिल हुए। यह पिछले 14 वर्षों में देश की पहली आम हड़ताल है। प्रदर्शनकारियों ने मकानों और किराये की बढ़ती कीमतों, किफायती आवास की कमी और आवास बाजार में आम लोगों की घटती पहुंच के खिलाफ आवाज उठाई।हड़ताल के जरिए श्रमिकों और सामाजिक संगठनों ने सरकार से आवास को केवल निवेश और मुनाफे का साधन मानने के बजाय बुनियादी अधिकार के रूप में सुनिश्चित करने की मांग की।प्रमुख स्पेनिश दैनिक अल पायस में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को हुई 24 घंटे की इस हड़ताल में देश के प्रमुख श्रमिक संगठनों यूजीटी और सीसीओओ के साथ किरायेदार संगठनों ने भी हिस्सा लिया। किरायेदार संगठनों का आरोप है कि मकानों की बढ़ती कीमतों, बेदखली और अल्पकालिक किराये पर मकान देने की प्रवृत्ति ने आम लोगों के लिए घर खरीदना और किराये पर लेना मुश्किल कर दिया है।किरायेदार संगठनों के मुताबिक, दोपहर तक करीब 40 लाख लोग हड़ताल में शामिल हो चुके थे। श्रमिक संगठनों ने ऑटोमोबाइल और बंदरगाह क्षेत्रों में 90 प्रतिशत, मांस उद्योग में 85 प्रतिशत और कचरा संग्रहण क्षेत्र में 82 प्रतिशत भागीदारी का दावा किया।

न्यूयॉर्क में बड़ा हादसा, तीन मंजिला इमारत गिरने से 8 लोगों की मौत; 17 लापता

न्यूयॉर्क (ए.)। न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन इलाके में बुधवार को एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जहां तीन मंजिला इमारत अचानक ढह गई। इस दुर्घटना में 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 17 लोग लापता बताए जा रहे हैं। घायलों में तीन दमकलकर्मी भी शामिल हैं। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और राहत एवं बचाव अभियान शुरू कर दिया गया।जानकारी के मुताबिक, वर्ष 1930 में बनी यह इमारत स्थानीय समयानुसार बुधवार शाम करीब 4 बजे 2625 बेडफोर्ड एवेन्यू पर अचानक गिर गई। जिस स्थान पर इमारत स्थित थी, उसके ठीक बगल में निर्माण कार्य चल रहा था और वहां नई इमारत बनाने के लिए खुदाई की जा रही थी। इमारत गिरने का असर पास की बिल्डिंग पर भी पड़ा और उसकी एक दीवार टूट गई। इसके कारण अंदर बने एक अपार्टमेंट का हिस्सा बाहर से दिखाई देने लगा।

निर्माण स्थल पर खुदाई के दौरान हुआ हादसा

इमारत गिरने की असली वजह का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। शहर के कमिश्नर अहमद तिगानी के अनुसार, हादसे के समय निर्माण मजदूर पास के खाली प्लॉट पर नई इमारत बनाने के लिए खुदाई कर रहे थे। हालांकि, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि खुदाई का इमारत ढहने से कोई सीधा संबंध था या नहीं।

मेयर ने लोगों से घटनास्थल से दूर रहने की अपील की

न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हादसे को लेकर दुख जताया। उन्होंने बताया कि घटनास्थल पर बचाव अभियान जारी है और लोगों से प्रभावित इलाके से दूर रहने की अपील की।मेयर ने कहा कि इस हादसे में 8 लोगों की जान जाने और कम से कम 17 लोगों के घायल होने की खबर बेहद दुखद है। घायलों में तीन दमकलकर्मी भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इस बड़े नुकसान को शब्दों में बयां करना मुश्किल है। हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों और घायलों के प्रति उनकी गहरी संवेदनाएं हैं।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में बड़ा आतंकी हमला

पेशावर (ए.)। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बुधवार को आतंकवादियों ने पुलिस के एक काफिले पर घात लगाकर भीषण हमला कर दिया। इस खूनी मुठभेड़ में एक पुलिस उपाधीक्षक (DSP) समेत कुल 11 पुलिसकर्मियों की जान चली गई, जबकि 12 अन्य जवान गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। हालांकि, सुरक्षा बलों की ओर से की गई जोरदार जवाबी कार्रवाई में 18 आतंकवादी भी मौके पर ही ढेर कर दिए गए। खैबर पख्तूनख्वा पुलिस के जनसंपर्क निदेशालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, यह हमला उस वक्त हुआ जब पुलिस बल कोहाट शहर के समीप दरबोकाच इलाके में स्थानीय सिविल प्रशासन के साथ मिलकर एक संयुक्त अभियान संचालित करने जा रहा था।सोने की अवैध खुदाई रोकने जा रही थी टीम, पहाड़ियों से बरसाईं गोलियां पुलिस प्रवक्ता मोहम्मद नौमान जैब के मुताबिक, पुलिस का यह विशेष दस्ता कोहाट जिले के गंबट इलाके में सोने की अवैध खुदाई (इललीगल गोल्ड माइनिंग) के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए निकला था।

न्यूयॉर्क के बाद एलए में भी भारतीय मूल की मेयर, नित्या रमन लेंगी शपथ

वाशिंगटन(ए.)। भारतवंशी नित्या रमन अगले महीने लॉस एंजिल्स की मेयर के रूप में पदभार संभालेंगी। उनके शपथ ग्रहण के साथ ही अमेरिका के दो सबसे बड़े शहरों की कमान भारतीय मूल के अमेरिकियों के हाथों में होगी। वह न्यूयॉर्क के मेयर जोरान ममदानी के साथ मिलकर अमेरिकी स्थानीय प्रशासन में भारतीय प्रवासियों की मौजूदगी का एक अहम पड़ाव तय करेंगी।न्यूयॉर्क में 86 लाख (8.6 मिलियन) और लॉस एंजिल्स में 39 लाख (3.9 मिलियन) को मिलाकर इन शहरों में कुल 1.25 करोड़ (12.5 मिलियन) लोग रहते हैं।ममदानी ने 1 जनवरी को अपना पद संभाला था। रमन अभी 'मेयर-इलेक्ट' (चुनी गई मेयर) हैं और उनका कार्यकाल 14 दिसंबर से शुरू होगा। सत्ता हस्तांतरण (ट्रांजिशन) होने तक कैरेन बास लॉस एंजिल्स की मेयर बनी रहेंगी।रमन का जन्म केरल में हुआ था और वह 6 साल की उम्र में अमेरिका आ गई थीं। ममदानी का जन्म युगांडा के कंपाला में हुआ था; उनकी मां फिल्म निर्माता मीरा



नायर और पिता शिक्षाविद महमूद ममदानी हैं। वह भारतीय मूल के हैं, लेकिन उनका जन्म भारत में नहीं हुआ था।मेयर्स के रिकॉर्ड और जीवनियों को देखने से पता चलता है कि इस समुदाय का प्रतिनिधित्व केवल इन दो तटीय शहरों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें राज्यों की राजधानियां, औद्योगिक शहर और उपनगरीय कस्बे भी शामिल हैं।ओहियो के सिनसिनाटी में, आफताब प्योरवाल अपना दूसरा कार्यकाल पूरा कर रहे हैं। 2021 में पहली बार चुने जाने पर, वह शहर के पहले एशियाई-अमेरिकी मेयर बने थे। उनका मौजूदा कार्यकाल जनवरी 2030 तक चलेगा।वर्जीनिया के रिचमंड में, हैदराबाद में जन्मे डैनी अवुला नेतृत्व कर रहे हैं, जो 1979 में अपने माता-पिता के साथ अमेरिका आ गए थे। पेशे से बाल रोग विशेषज्ञ (पीडियाट्रिशियन) और पूर्व जन-स्वास्थ्य अधिकारी रहे अवुला ने 1 जनवरी 2025 को राज्य की राजधानी के 81वें मेयर के रूप में पदभार संभाला।कैलिफोर्निया के बे एरिया में, दिसंबर 2024 में राज सलवान फ्रेमोंट के पहले भारतीय-अमेरिकी निर्वाचित मेयर बने।न्यू जर्सी में भारतीय मूल के कई मेयर हैं, जिनमें एडिसन के समीप जोशी, पारसिप्पनी-ट्रॉय हिल्स के पुलकित देसाई, वेस्ट विंडसर के हेमंत मराठे और मोंटगोमरी की नीना सिंह शामिल हैं।इन लोगों की पृष्ठभूमि अलग-अलग पेशों और सार्वजनिक सेवा के क्षेत्रों से जुड़ी है। भारत में जन्मे और अमेरिका में पले-बढ़े देसाई, अमेरिकी मरीन कॉर्प्स में अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

मनोरंजन

त्योहारों के दौरान पेट फूलने की समस्या से राहत पाने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके

त्योहारों का मौसम आते ही हर कोई तरह-तरह के व्यंजनों का आनंद लेने लगता है, लेकिन इसके कारण पेट फूलने की समस्या हो सकती है। हालांकि, इसे सामान्य माना जाता है, लेकिन इससे असुविधा महसूस हो



सकती है। अगर आप भी त्योहारों के दौरान इस समस्या से परेशान रहते हैं तो आइए आज हम आपको इसके लिए 5 असरदार तरीके बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप पेट फूलने की समस्या से राहत पा सकते हैं।

हल्का और कम मसालेदार खाना खाएं

त्योहारों के दौरान तली चीजें, बिरयानी, पनीर, मिठाई और अन्य कई व्यंजनों का सेवन किया जाता है, जो पाचन तंत्र पर अतिरिक्त दबाव डाल सकते हैं। इसलिए इनका सेवन कम करें और हल्का भोजन करें।इसके लिए आप दाल, चावल, रोटी और सब्जी का सेवन कर सकते हैं। इस तरह के भोजन से पाचन तंत्र को आराम मिलता है और पेट फूलने की समस्या से राहत मिलती है।

पानी का करें भरपूर सेवन

पानी का सेवन पेट फूलने की समस्या से राहत दिलाने में मदद कर सकता है। यह पाचन को ठीक करने और पेट की सूजन को कम करने में मदद कर सकता है।इसके अतिरिक्त यह शरीर से हानिकारक पदार्थों को बाहर निकालने में सहायक है। इसलिए रोजाना 8 से 10 गिलास पानी जरूर पिएं।इसके साथ ही आप इसमें नींबू का रस या पुदीना भी मिला सकते हैं। यह आपके पाचन को बेहतर बनाएगा।

फाइबर युक्त भोजन खाएं

फाइबर युक्त भोजन का सेवन पेट फूलने की समस्या को दूर करने में मदद कर सकता है। फाइबर पाचन तंत्र को ठीक रखने के साथ-साथ आंत की सूजन को कम करने में मदद कर सकता है।इसके लिए आप अपनी डाइट में हरी सब्जियां, फल, दलिया, ओट्स, चिया बीज आदि को शामिल कर सकते हैं। इन खाद्य पदार्थों से पेट की समस्याओं से बचने में सहायता मिलती है।

गर्म पानी से नहाएं

गर्म पानी से नहाने से भी पेट फूलने की समस्या दूर हो सकती है। दरअसल, गर्म पानी से नहाने से रक्त का बहाव बेहतर होता है, जिससे पाचन तंत्र भी ठीक से काम करता है।इसके अलावा इससे पेट की सूजन कम होती है और आराम महसूस होता है। साथ ही इससे शरीर की मांसपेशियों को आराम मिलता है और आप तरोताजा महसूस करते हैं।

हल्की एक्सरसाइज करें

पेट फूलने की समस्या से राहत पाने के लिए हल्की एक्सरसाइज करना भी फायदेमंद हो सकता है। इससे पाचन क्रिया बेहतर होती है और आंत की सूजन कम होती है। आप रोजाना सुबह या शाम टहल सकते हैं।इसके अलावा आप योगाभ्यास भी कर सकते हैं। इसके लिए आप वज्रासन, बालासन, शवासन, पवनमुक्तासन आदि को अपना सकते हैं। इनसे पाचन क्रिया को स्वस्थ रखने में मदद मिलती है।

अहान पांडे-शरवरी वाघ की 'बेपरवाह' की पंजाब में शूटिंग खत्म, सामने आईं तस्वीरें

सैयारा एक्टर अहान पांडे की नई म्यूजिकल-रोमांटिक फिल्म बेपरवाह का बीती 26 अक्टूबर को एलान हुआ था. मेकर्स ने फिल्म की लीड स्टारकास्ट का पोस्टर शेयर कर इसकी रिलीज डेट का भी खुलासा किया था. फिल्म में अहान पांडे इस बार शरवरी वाघ संग रोमांस करते दिखेंगे. फिल्म अगले साल रिलीज होने वाली है. इससे पहले बेपरवाह के डायरेक्टर अली अब्बास जफर ने अहान के फैंस को बड़ा अपडेट दिया है. अली ने बताया कि उन्होंने फिल्म बेपरवाह की पंजाब में शूटिंग पूरी कर ली है. डायरेक्टर ने पंजाब के सेट से कुछ तस्वीरें भी शेयर की हैं.

फिल्म के डायरेक्टर अली अब्बास जफर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर वीडियो में तस्वीरों की एक सीरीज शेयर की है. इन तस्वीरों में डायरेक्टर खुद नजर आ रहे हैं. साथ ही पंजाब में फिल्म की कहां-कहां शूटिंग हुई है, उन लोकेशन की भी झलकियां दिख रही हैं. इस पोस्ट को शेयर कर डायरेक्टर ने लिखा है, 'पंजाब में 'बेपरवाह' की शूटिंग पूरी हो गई है! यह एक बहुत ही भावुक सफर रहा, वाईआरएफ के लिए फिर से निर्देशन करना, घर वापस आने जैसा महसूस होता है, फिल्म की पूरी कास्ट और क्रू का शुक्रिया. अब इसे सिनेमाघरों में लाने का बेसब्री से इंतजार है, रब राखा'.

बेपरवाह का निर्माण यशराज फिल्म्स बैनर कर रहा है. अहान पांडे का बॉलीवुड डेब्यू इस बैनर के तहत हुआ था. बेपरवाह के



प्रोड्यूसर भी आदित्य चोपड़ा हैं. अहान की डेब्यू फिल्म सैयारा है, जिसे मोहित सूरी ने डायरेक्ट किया था. अहान को लेकर अली अब्बास फिल्म बना रहे हैं. बेपरवाह में अहान पांडे और शरवरी वाघ की जोड़ी देखने को मिलेगी. यह फिल्म 26 मार्च 2027 को वर्ल्डवाइड सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

बता दें, चंकी पांडे के भतीजे अहान पांडे की म्यूजिकल रोमांटिक फिल्म सैयारा ने बॉक्स ऑफिस पर कमाई से अंबार लगा दिया था. फिल्म में अहान और अनीत की जोड़ी ने जेन जी का खूब दिल जीता था. आज भी इस जोड़ी को साथ में देखने के बाद उनके फैंस खूब प्यार लुटाते हैं. सैयारा के बाद से फैंस को अनीत और अहान की नई फिल्म का भी इंतजार रहता है.

चिरंजीवी की फिल्म से टकराव के बावजूद तय तारीख पर रिलीज होगी 'संबराला येती गट्टू'

, 12 जनवरी 2027 को सिनेमाघरों में आएगी फिल्म

अभिनेता साई दुर्गा तेज की आगामी एक्शन-मनोरंजक फिल्म 'संबराला येती गट्टू' की प्रदर्शन योजना में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। लंबे अंतराल के बाद साई दुर्गा तेज इस फिल्म के जरिए बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रहे हैं। नए निर्देशक रोहित केपी के निर्देशन में बन रही यह फिल्म तेजी से निर्माण के अंतिम चरण की ओर बढ़ रही है।



फिल्म के निर्माताओं ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि 'संबराला येती गट्टू' 12 जनवरी 2027 को संक्रांति के अवसर पर सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। इसके कुछ समय बाद मेगास्टार चिरंजीवी की फिल्म 'काका' के निर्माताओं ने भी 13 जनवरी 2027 की प्रदर्शन तिथि घोषित कर दी। दोनों फिल्मों की रिलीज के बीच एक दिन का अंतर होने के कारण माना जा रहा था कि साई दुर्गा तेज की फिल्म के निर्माता अपनी योजना में बदलाव कर सकते हैं।

हालांकि, अब निर्माताओं ने स्पष्ट कर दिया है कि वे अपनी पूर्व निर्धारित तारीख पर ही फिल्म प्रदर्शित करेंगे। उल्लेखनीय है कि चिरंजीवी, साई दुर्गा तेज के चाचा हैं। ऐसे में दोनों फिल्मों के लगातार दो दिनों में सिनेमाघरों में आने को लेकर दर्शकों के बीच चर्चा है।

फिल्म के निर्माता चैतन्य रेड्डी ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि फिल्म का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और फिलहाल संपादन सहित प्रदर्शन पूर्व की तकनीकी प्रक्रियाएं अंतिम चरण में हैं। उन्होंने कहा कि यह काम लगभग पूरा होने वाला है और निर्माता संक्रांति पर फिल्म प्रदर्शित करने की योजना से पीछे नहीं हटेंगे।'संबराला येती गट्टू' में ऐश्वर्या लक्ष्मी मुख्य अभिनेत्री की भूमिका निभा रही हैं। वहीं, जगपति बाबू, श्रीकांत, साई कुमार, अनन्या नगल्ला और रवि कृष्णा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म को लेकर दर्शकों की निगाहें अब संक्रांति के दौरान होने वाले प्रदर्शन पर टिकी हैं।

सर्दियों में कमरे को ठंडा बना देती हैं ये 5 गलतियां, इनसे बचें

सर्दियों में ठंड से बचने के लिए लोग अपने घर को गर्म रखने के लिए तरह-तरह के उपाय अपनाते हैं। हालांकि, कई बार अनजाने में ऐसी गलतियां हो जाती हैं, जो घर के तापमान को और भी कम कर देती हैं। इससे न सिर्फ घर का तापमान प्रभावित होता है, बल्कि बिजली का बिल भी बढ़ जाता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी गलतियों के बारे में बताते हैं, जो आपके कमरे को ठंडा बना सकती हैं।

पर्दों को हटाना

अगर आप अपने घर के खिड़की वाले हिस्से पर लगे पर्दों को हटाते हैं तो इससे आपका कमरा ठंडा नहीं बल्कि ठंडा हो सकता है। इसलिए सर्दियों के दौरान पर्दों को हटाना एक बड़ी गलती है।

इसके लिए आप मोटे और गर्म कपड़े का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे कमरे का तापमान स्थिर रह सकता है और ठंडी हवा अंदर नहीं आ पाएगी।

दरवाजों और खिड़कियों के पास गैप होना

दरवाजों और खिड़कियों के पास गैप होने से ठंडी हवा के अंदर घुसने की संभावना बढ़ जाती है, जिससे घर का तापमान काफी प्रभावित हो सकता है। इसलिए इन्हें ठीक करवाना जरूरी है।

इसके लिए आप दरवाजों और खिड़कियों के पास लगे गैप को फोम



से भर सकते हैं। इससे ठंडी हवा को अंदर घुसने से रोकने में मदद मिल सकती है।

दरवाजों और खिड़कियों को बंद करके रखना

अगर आपके घर में कोई भी कमरे की खिड़की या दरवाजा खुला है तो ठंडी हवा अंदर आएगी, लेकिन अगर आप उन्हें बंद करके रखते हैं तो कमरे के अंदर ठंडी हवा आने की संभावना कम हो सकती है।

इसके अतिरिक्त ठंडी हवा के कारण कमरे का तापमान भी प्रभावित होता है। इसलिए सर्दियों के दौरान अपने घर के सभी दरवाजों और खिड़कियों को बंद ही रखें।

अधिक गर्मी देना

सर्दियों के दौरान कई लोग अपने कमरे को गर्म रखने के लिए ज्यादा गर्मी का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन इससे कमरे का तापमान अधिक हो सकता है।ऐसे में बेहतर होगा कि आप कमरे को गर्म रखने के लिए ज्यादा गर्मी की बजाय ब्लोअर का इस्तेमाल करें। इससे आपका कमरा गर्म भी रहेगा और बिजली का बिल भी कम आएगा।

कमरों की उचित व्यवस्था न होना

अगर आपके कमरे में फर्नीचर ठीक से व्यवस्थित नहीं है तो इससे कमरे का तापमान प्रभावित हो सकता है। इसलिए कमरे में रखी टेबल और सोफे के बीच कम से कम 3 फीट की दूरी रखें।

इसके अलावा गर्मी वाले उपकरणों को भी एक-दूसरे से दूर रखें। अगर आपके पास हीटर है तो उसे कमरे के बीचों-बीच रखें ताकि कमरे का तापमान अच्छे से प्रभावित हो सके।

छठ पर्व की तैयारियों का कलेक्टर ने लिया जायजा, व्यवस्थाओं को लेकर दिए आवश्यक निर्देश



सूरजपुर, (आरएनएस)। सूर्य उपासना के महापर्व छठ पूजा के मद्देनजर कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ रेण नदी स्थित छठ घाट पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने छठ पूजा समिति के सदस्यों से चर्चा कर पर्व के आयोजन एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि छठ पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति को देखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने घाटों एवं पूजा स्थलों पर सुरक्षा के लिए नगर सैनिकों एवं पुलिस बल की तैनाती, मुख्य मार्गों पर बैरिकेडिंग, सुचारू यातायात के लिए आवागमन मार्ग निर्धारित करने तथा पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने घाटों पर विद्युत व्यवस्था, साफ-सफाई एवं स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के साथ ही किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए स्वास्थ्य टीम की तैनाती और आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध रखने को कहा। साथ ही जलाशय में सुरक्षा की दृष्टि से गोताखोरों की तैनाती तथा श्रद्धालुओं की निगरानी के लिए आवश्यक इंतजाम करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने पुलिस एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य करते हुए शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा श्रद्धालुओं के आवागमन को सहज, सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाने के निर्देश दिए।

बस्तर में प्रशासन द्वारा 99 हड़ताली पटवारियों का ब्रेक इन सर्विस घोषित, 17 निलंबित



जगदलपुर, (आरएनएस)। राज्य शासन के निर्देशानुसार बस्तर प्रशासन द्वारा प्रान्तीय आह्वान पर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर डटे पटवारियों के खिलाफ बड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। 13 अक्टूबर से हड़ताल पर गए जिले के 99 पटवारियों की हड़ताल अवधि को ब्रेक इन सर्विस (सेवा में व्यवधान) घोषित कर दिया गया है, जबकि 17 पटवारियों को निलंबित किया गया है।अपर कलेक्टर डीआर डाहिरे द्वारा गुरुवार को दी गई जानकारी के अनुसार जिले की सभी 10 तहसीलों में कुल 180 पटवारी पदस्थ हैं, जिनमें 30 प्रशिक्षु शामिल हैं। इनमें से 136 पटवारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं, जबकि 44 पटवारी वर्तमान में अपने कर्तव्यों पर कार्यरत हैं। हड़ताल पर गए सभी 136 पटवारियों को प्रशासन द्वारा पहले कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, लेकिन काम पर वापस न लौटने पर यह सख्त कदम उठाया गया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार तहसीलवार आंकड़ों पर नजर डालें तो इस कार्रवाई का सबसे अधिक असर जगदलपुर और बस्तर तहसील में देखने को मिला है। जगदलपुर तहसील में पदस्थ 26 में से 25 पटवारी हड़ताल पर हैं, जिनमें से 23 पर ब्रेक इन सर्विस और 02 पर निलंबन की गाज गिरी है, जबकि यहां केवल एक पटवारी कार्यरत है।

प्रशासन की सख्ती से सांकरा के नंदी चौक में नहीं जमा हुए जुए के फड़

सांकरा, (आरएनएस)। दीपावली पर ग्राम सांकरा के नंदी चौक में इस बार जुए का फड़ नहीं जमा। प्रशासन और पुलिस की सतर्कता व सख्ती से गांव में शांतिपूर्ण माहौल में त्योहार मनाया गया। नंदी चौक में खड़खड़िया और ताश के जरिए जुआ नहीं खेले जाने से ग्रामीणों ने राहत महसूस की। इस व्यवस्था से खुश होकर नंदी सेवा समिति और ग्रामीणों ने प्रशासन के प्रति आभार जताया है। दरअसल दीपावली से पहले नंदी सेवा समिति और ग्रामीणों ने कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपकर नंदी चौक में खड़खड़िया और ताश के जरिए जुआ खिलाने पर रोक लगाने की मांग की थी। समिति ने ज्ञापन में बताया था कि 10 हजार से अधिक आबादी वाला सांकरा आसपास के गांवों का प्रमुख व्यापारिक केंद्र है।

त्योहारों के दौरान शहर में 17 तक 6 से 12 बजे तक नो एंट्री

कोरबा, (आरएनएस)। आगामी त्योहारों के दौरान शहर में बढ़ने वाली भीड़ और देर रात तक नागरिकों के आवागमन को देखते हुए जिला प्रशासन ने कोरबा शहर में भारी वाहनों की नो-एंट्री का समय निर्धारित किया है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी के अनुमोदन से जारी आदेश के अनुसार 11 नवंबर से 17 नवंबर 2026 तक सुबह 6 बजे से रात 12 बजे तक नो-एंट्री प्रभावी रहेगी।पुलिस अधीक्षक कोरबा की ओर से भेजे गए पत्र के आधार पर यह व्यवस्था लागू की गई है। आदेश में आगामी त्योहारों के दौरान शहर में आयोजनों के चलते जनसमूह एकत्रित होने तथा देर रात तक लोगों के आवागमन की संभावना का उल्लेख किया गया है।

घर में नल से पहुंचा पानी तो आसान हुई जिंदगी, महिलाओं को अब परिवार के लिए मिल रहा ज्यादा समय

रायपुर, (आरएनएस)। घर तक नल से पानी पहुंचने से ग्रामीण महिलाओं की रोजमर्रा की जिंदगी में बदलाव आ रहा है। पानी जुटाने में लगने वाला समय और मेहनत अब परिवार की दूसरी जरूरतों में काम आ रही है। जल जीवन मिशन के तहत रायगढ़ जिले के पुसौर विकासखंड के ग्राम तिलगी में रहने वाली श्रीमती पार्वती चौधरी के जीवन में भी ऐसा ही बदलाव आया है।

पहले पार्वती को खाना बनाने, बर्तन धोने, कपड़े साफ करने और घर की साफ-सफाई के लिए पानी का इंतजाम करना पड़ता था। इस काम में काफी समय और मेहनत खर्च होती थी। गर्मियों में पानी की जरूरत बढ़ने के साथ उनकी परेशानी भी बढ़ जाती थी। कई बार पानी की व्यवस्था के चलते दूसरे जरूरी काम प्रभावित होते थे।

जल जीवन मिशन के तहत घर में नल कनेक्शन मिलने के बाद उनकी यह परेशानी काफी हद तक कम हुई है। अब घरेलू जरूरतों के लिए पानी आसानी से उपलब्ध हो रहा है। इससे न केवल घर के कामकाज आसान हुए हैं, बल्कि बच्चों की देखभाल और परिवार के साथ समय बिताने के लिए भी उन्हें अधिक समय मिलने लगा है।

ग्राम तिलगी में घर-घर नल कनेक्शन के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। योजना का उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को निर्धारित गुणवत्ता का सुरक्षित पेयजल नियमित रूप से उपलब्ध कराना है। इसका सकारात्मक असर महिलाओं के समय और श्रम की बचत के रूप में सामने आ रहा है।

पानी की उपलब्धता से घरों में साफ-सफाई बनाए रखना भी आसान हुआ है। महिलाएं अब घरेलू जिम्मेदारियों को बेहतर ढंग से पूरा करने के साथ आजीविका और अन्य रचनात्मक गतिविधियों के लिए भी समय निकाल सकती हैं।

कोरबा-यशवंतपुर एक्सप्रेस में बम की सूचना निकली अफवाह, सूचना देने वाला पुलिस हिरासत में



रायपुर/ राजनांदगांव, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव रेलवे स्टेशन पर आज यशवंतपुर-कोरबा एक्सप्रेस में बम होने की सूचना जांच के बाद पूरी तरह अफवाह निकली। सुरक्षा बलों और बम निरोधक दस्ते द्वारा गहन जांच-पड़ताल के बाद यह सूचना पूरी तरह से अफवाह साबित हुई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अफवाह फैलाने और दहशत पैदा करने वाले मुख्य आरोपित को हिरासत में ले लिया है। रेलवे सुरक्षा नियंत्रण कक्ष को एक अज्ञात व्यक्ति का फोन कॉल मिला, जिसमें दावा किया गया कि कोरबा से यशवंतपुर जाने वाली एक्सप्रेस ट्रेन में विस्फोटक (बम) रखा गया है। इस सनसनीखेज सूचना के मिलते ही रेलवे और सुरक्षा महकमे में आपातकाल जैसी स्थिति बन गई। रेलवे सुरक्षा नियंत्रण कक्षको ट्रेन में बम होने की यह फर्जी सूचना शाम के वक्त (लगभग 4:00 से 5:30 बजे के बीच) प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही एक्शन में आई सुरक्षा एजेंसियों ने ट्रेन को अगले निर्धारित या सुरक्षित स्टेशन पर रोककर लगभग 2 से 3 घंटे तक सघन तलाशी अभियान चलाया, जिसके बाद इसे पूरी तरह अफवाह घोषित किया गया। रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारी ने बताया कि नियंत्रण कक्ष को कोरबा-यशवंतपुर एक्सप्रेस में विस्फोटक होने की सूचना मिली थी। मानक संचालन प्रक्रिया का पालन करते हुए तुरंत ट्रेन को सुरक्षित स्थान पर रोककर डॉग स्क्वॉड और बम डिस्पोजल टीम के साथ चप्पे-चप्पे की तलाशी ली गई। जांच में किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली है, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि यह एक पूरी तरह से भ्रामक और झूठी कॉल थी। पुलिस साइबर सेल के अनुसार दहशत फैलाने और रेलवे तंत्र को बाधित करने के उद्देश्य से इस तरह की अफवाह फैलाने वाले कॉलर की तकनीकी सर्विलांस के जरिए तुरंत पहचान कर ली गई है। आरोपित को पुलिस हिरासत में ले लिया गया है और उससे कड़ी पूछताछ की जा रही है। सार्वजनिक परिवहन या ट्रेनों में इस तरह की फर्जी सूचना देने वालों के खिलाफ कानून के तहत बेहद सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मातर तिहार हमारी संस्कृति, परंपरा और गौसेवा के प्रति समर्पण का प्रतीक : मंत्री गजेन्द्र यादव

रायपुर(आरएनएस)। मातर तिहार के अवसर पर आज प्रदेश के स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधि-विधायी कार्य मंत्री गजेन्द्र यादव ने विधि-विधान के साथ गौमाता का पूजन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। इस अवसर पर समाजजनों की उपस्थिति में उन्होंने पारंपरिक दोहा गाकर गौमाता को सोहाई बांधी और विधिवत पूजा-अर्चना की।

मातर तिहार छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति, आस्था और परंपराओं से जुड़ा विशिष्ट पर्व

मंत्री यादव ने कहा कि मातर तिहार छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति, आस्था और परंपराओं से जुड़ा विशिष्ट पर्व है। यह पर्व हमें अपनी जड़ों, सामाजिक एकजुटता और गौवंश के प्रति सम्मान एवं सेवा का भाव सिखाता है। यादव समाज की परंपरा में गौसेवा और गौपालन का विशेष महत्व रहा है।

खरीदी पूरी होने तक कोरबा के उपार्जन केंद्रों में खुले आसमान के नीचे रहेगा धान, शेड व गोदाम का अभाव

कोरबा, (आरएनएस)। जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की शुरुआत 15 नवंबर से होने जा रही है। इस बार धान की रिसाइक्लिंग रोकने के लिए शासन ने खरीदी व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया है। अब उपार्जन पूरा होने के बाद ही केंद्रों से धान का उठाव किया जाएगा। इस फैसले से जहां खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता आने की उम्मीद है, वहीं जिले के 73 उपार्जन केंद्रों में करीब 31 लाख क्विंटल धान जमा होने की स्थिति में व्यवस्था पर दबाव बढ़ने की आशंका है।

पर्याप्त शेड और गोदाम नहीं होने से केंद्रों में धान रखने की समस्या खड़ी हो सकती है। ऐसे में टोकन कटने के बाद भी किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए कतार में इंतजार करना पड़ सकता है। असमय बारिश से धान के भीगने और खराब होने का खतरा भी बना रहेगा। धान खरीदी की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। मानसून के उतार-चढ़ाव के बावजूद इस बार बेहतर उत्पादन का अनुमान लगाया जा रहा है। जिले में करीब 91 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में धान की बोआई हुई है। फसल पकने के साथ दीपावली के बाद कटाई में तेजी आई है। हालांकि, किसानों को उपज बेचने से पहले धान के पूरी तरह सूखने का इंतजार करना पड़ रहा है।

जिला राजस्व विभाग की ओर से अब तक आनावरी रिपोर्ट तैयार नहीं की जा सकी है। पिछले वर्ष की तरह इस बार भी 15 नवंबर से खरीदी शुरू होगी, लेकिन खरीदी की अंतिम तिथि 31 जनवरी के बजाय 15 जनवरी निर्धारित की गई है। जिले में 65 समितियों के माध्यम से 73 उपार्जन केंद्रों का संचालन किया जाएगा। इस वर्ष आठ नए केंद्र शुरू किए गए हैं। इससे दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों को धान बेचने के लिए लंबी दूरी तय करने से राहत मिलेगी। हालांकि, केंद्रों की संख्या बढ़ने के बावजूद जरूरी बुनियादी सुविधाओं का विस्तार नहीं हो पाया है। दादर, पिपरिया, नुनेरा, बकसाही, सुमेधा और कुदुरमाल सहित कई केंद्रों में शेड और गोदाम की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है।

खेल समाचार

वर्ल्ड टेनिस लीग सीजन 5 का आयोजन 17 से 20 दिसंबर तक बेंगलुरु में होगा

बेंगलुरु, (आरएनएस)। वर्ल्ड टेनिस लीग (डब्ल्यूटीएल) का सीजन पांच, 17 से 20 दिसंबर तक बेंगलुरु में होगा। यह टूर्नामेंट केएसएलटीए, एस.एम. कृष्णा टेनिस स्टेडियम में खेला जाएगा, जिसमें भारत के टॉप खिलाड़ियों के साथ-साथ जाने-माने इंटरनेशनल स्टार्स भी हिस्सा लेंगे। सीजन 5 में एक बार फिर जाने-माने इंटरनेशनल स्टार्स और उभरते हुए टैलेंट का रोमांचक मिश्रण होगा। पिछले सीजन के कई खिलाड़ी जो वापस लौटे हैं, उनमें पाउला बडोसा, युकी भांबरी, सुमित नागल, दक्षिणेश्वर सुरेश, माया राजेश्वरन रेवती और श्रीवल्ली भामिदिपति शामिल हैं, जो आने वाले एडिशन के लिए डब्ल्यूटीएल कोर्ट पर वापस आएंगे। वर्ल्ड टेनिस लीग के को-फाउंडर महेश भूपति ने कहा, पिछला सीजन वर्ल्ड टेनिस लीग के लिए एक रोमांचक चैप्टर था, जिसमें इंटरनेशनल टैलेंट और भारतीय खिलाड़ियों का शानदार मिश्रण एक साथ आकर कुछ यादगार टेनिस पेश कर रहा था। फैन्स से मिले रिस्पॉन्स और कॉम्पिटिशन के आस-पास की ऊर्जा ने एक खास ग्लोबल टेनिस प्रॉपर्टी बनाने के हमारे विजन को और मजबूत किया। जैसे-जैसे हम सीजन 5 में आगे बढ़ रहे हैं, हम उस मोमेंटम को बनाए रखना चाहते हैं। लीग को नए दर्शकों तक ले जाना चाहते हैं और हर एडिशन के साथ इसका स्तर और बढ़ाना चाहते हैं।

वर्ल्ड टेनिस लीग की को-फाउंडर हेमाली शर्मा ने कहा, हम वर्ल्ड टेनिस लीग को बेंगलुरु में वापस लाकर बहुत खुश हैं। शहर में एक मजबूत स्पोर्टिंग कल्चर और टेनिस के शौकीन दर्शक हैं, जो इसे सीजन 5 के लिए एक रोमांचक जगह बनाते हैं। यह एडिशन एक बार फिर भारत के जाने-माने और उभरते टेनिस टैलेंट के साथ कुछ बेहतरीन इंटरनेशनल खिलाड़ियों को एक साथ लाएगा।

भारत में बढ़ती वैश्विक फॉलोइंग और तेजी से मजबूत होते टेनिस इकोसिस्टम के साथ, डब्ल्यूटीएल एक ऐसा प्लेटफॉर्म देना जारी रखता है जो इंटरनेशनल टेनिस को भारतीय फैन्स के करीब लाता है और साथ ही वैश्विक स्टेज पर भारत के उभरते टैलेंट को दिखाता है।

डब्ल्यूटीए फाइनल्सः मीरा एंड्रीवा ने सबालेंका को हराकर पहली बार सेमीफाइनल में जगह बनाई

इंडियन वेल्स (आरएनएस)। मीरा एंड्रीवा ने दिग्गज एरिना सबालेंका को हराकर पहली बार डब्ल्यूटीए फाइनल्स के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। 62 मिनट तक चले मुकाबले में एंड्रीवा ने सबालेंका को 6-4, 6-0 से हराया। एंड्रीवा ने आखिरी 11 गेम जीते और आखिरी 55 में से 45 पॉइंट हासिल किए और 2009 में कैरोलिन वोज्नियाकी के बाद डब्ल्यूटीए फाइनल्स के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गईं। वह 2003 में मौजूदा राउंड-रॉबिन फॉर्मेट शुरू होने के बाद से सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पांचवीं टीनएजर हैं, इससे पहले मारिया शारापोवा, एना इवानोविच, वोज्नियाकी और कोको गॉफ भी सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं।

इस जीत ने एक और मील का पत्थर भी बनाया। अपने शुरुआती राउंड-रॉबिन मैच में एलिना स्वितोलिना को 6-4, 6-0 से हराने के बाद, एंड्रीवा टूर्नामेंट के इतिहास में पहली ऐसी खिलाड़ी बन गईं, जिन्होंने अपने पहले दो डब्ल्यूटीए फाइनल्स मैचों में से हर एक में 6-0 का सेट जीता।

2026 में एक टॉप 10 जीत के साथ डब्ल्यूटीए फाइनल्स में एंट्री करने के बाद, एंड्रीवा ने इस सप्ताह दो और जीत हासिल की हैं। वह कैरोलिन मुचोवा के खिलाफ तीसरी जीत की कोशिश करेंगी, जिनसे वह डब्ल्यूटीए टूर लेवल पर 1-0 से आगे हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे वनडे में श्रेयस अय्यर करेंगे कप्तानी का पदार्पण, सीरीज जीत पर होंगी नजरें

शुभमन गिल, केएल राहुल और अंशुल कंबोज टेस्ट की तैयारी के लिए टीम से बाहर



नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच शुक्रवार को खेले जाने वाले चौथे वनडे मुकाबले में दोनों टीमें बड़े बदलावों के साथ उतरेंगी। श्रेयस अय्यर पहली बार भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। पांच मैचों की श्रृंखला में 2-0 से आगे चल रही भारतीय टीम की नजरें यह मुकाबला जीतकर श्रृंखला अपने नाम करने पर होंगी। वहीं, तीसरा वनडे बारिश के कारण रद्द होने के बाद न्यूजीलैंड के लिए श्रृंखला बचाने का एकमात्र रास्ता बाकी दोनों मुकाबले जीतना है। अय्यर के लिए यह मुकाबला कप्तानी में पदार्पण के साथ बल्ले से खुद को साबित करने का भी मौका होगा। इस श्रृंखला में शॉर्ट गेंदों के खिलाफ उनकी कमजोरी एक बार फिर सामने आई है। वह अंतिम दो वनडे में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। शुभमन गिल 19 नवंबर से शुरू होने वाली टेस्ट श्रृंखला की तैयारी के लिए टीम से बाहर हो गए हैं। केएल राहुल और अंशुल कंबोज भी लाल गेंद से अपने खेल को बेहतर करने के लिए टीम छोड़ चुके हैं।इन बदलावों से रुतुराज गायकवाड़, ईशान किशन और अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को मौका मिलने की उम्मीद है। टेस्ट श्रृंखला से पहले इन खिलाड़ियों के लिए मैदान पर समय बिताना उपयोगी होगा। गिल की गैर मौजूदगी में रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत कौन करेगा, यह देखना दिलचस्प होगा। इस दौड़ में ईशान किशन और रुतुराज गायकवाड़ शामिल हैं। हालांकि, गायकवाड़ ने अपने पिछले पांच वनडे मुकाबलों में मध्यक्रम में बल्लेबाजी की है।अनुभवी रोहित शर्मा भी इस दौरे पर बड़ी पारी खेलने के इरादे से उतरेंगे। वह अब तक श्रृंखला में शून्य और 23 रन ही बना सके हैं।

लक्ष्य सेन ने जापान मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

कुमामोटो,(ए.)। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए गुरुवार को जापान मास्टर्स 2026 के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। लक्ष्य ने चीन के डोंग तियान याओ को सीधे गेमों में 21-8, 21-14 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई।



जर्मनी में हाइलो ओपन का खिताब जीतकर जापान पहुंचे लक्ष्य ने इससे पहले चीनी ताइपे के ची यू जेन को 21-19, 21-18 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया था।तियान याओ के खिलाफ लक्ष्य ने शुरुआत से ही मुकाबले पर अपना दबदबा बनाए रखा। उन्होंने लगातार आठ अंक हासिल किए और महज 13 मिनट में पहला गेम 21-8 से अपने नाम कर लिया।दूसरे गेम में चीनी खिलाड़ी ने वापसी की कोशिश की। एक समय वह 4-6 से पीछे था लेकिन अपने प्रतिद्वंद्वी से विश्व रैंकिंग में 32 स्थान ऊपर काबिज लक्ष्य ने खेल की गति बढ़ाई।

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस और उनकी पत्नी के बीच बहस की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल



नई दिल्ली,(आरएनएस)। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। कमिंस का ये वीडियो उस्मान ख्वाजा के बॉल-टैम्परिंग विवाद पर उनके प्रेस कॉन्फ्रेंस करने की घोषणा की चर्चा के बीच वायरल है। वीडियो में वह अपनी पत्नी बेकी के साथ बात करते हुए नजर आ रहे हैं। द ऑस्ट्रेलियन द्वारा बुधवार को प्रकाशिक वीडियो फुटेज के मुताबिक, कमिंस और बेकी को पास की एक प्रॉपर्टी में जाने से पहले बातचीत करते हुए देखा गया। टी-शर्ट और शॉर्ट्स पहने, ऑस्ट्रेलियाई कप्तान इस बातचीत के दौरान काफी शांत दिखे। वहीं, उनकी पत्नी गुस्सैल अंदाज में नजर आ रही थीं। हालांकि, दोनों के बीच क्या बातचीत हो रही थी, इसकी कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाई है। उस्मान ख्वाजा की हाल में प्रकाशित किताब सब्र में बॉल-टैम्परिंग विवाद पर किए गए उनके दावों पर कमिंस प्रेस कॉन्फ्रेंस करने वाले हैं। इसकी घोषणा कमिंस ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर की है।

कमिंस ने एक्स पर लिखा, मैं कल सुबह क्रिकेट सेंट्रल में ट्रेनिंग कर रहा हूं, इससे पहले कि ब्लूज शील्ड मैच खेलें। इस सप्ताह की घटनाओं के बारे में सुबह 9.30 बजे किसी भी और सभी मीडिया से बात करके खुशी होगी। मैंने उस्मान के आरोपों की लंबी सूची और पूरे विषय को बेहतर ढंग से समझने के लिए कुछ समय लिया है ताकि मैं ठीक से जवाब दे सकूं।

उन्होंने लिखा, इसके बाद कृपया रुकें और ब्लूज को सपोर्ट करें। मैं क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) से डिटेल्स भेजने के लिए कहूंगा।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने अपनी किताब सब्र में 2018 में केपटाउन में दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले गए टेस्ट में हुए बॉल-टैंपरिंग विवाद का जिक्र किया है। ख्वाजा ने कहा है कि इस घटना के लिए डेविड वॉर्नर, स्टीव स्मिथ और कैमरन बैनक्रॉफ्ट को जिम्मेदार ठहराया गया था, जबकि पूरी टीम को इसकी जानकारी थी।

सुरक्षा चिंताओं के चलते अमेरिका ने फीफा अंडर-17 विश्व कप से नाम वापस लिया

कतर में 19 नवंबर से शुरू होना है 48 टीमों का टूर्नामेंट, अमेरिकी विदेश विभाग ने जारी की थी लेवल-3 यात्रा चेतावनी



लॉस एंजिलिस (आरएनएस)। अमेरिका ने सुरक्षा संबंधी चिंताओं के चलते कतर में होने वाले आगामी फीफा पुरुष अंडर-17 विश्व कप से अपनी टीम वापस ले ली है। अमेरिकी फुटबॉल महासंघ ने बुधवार को ईएसपीएन से इसकी पुष्टि की। अमेरिकी विदेश विभाग ने 23 अक्टूबर को कतर के लिए लेवल-3 यात्रा चेतावनी जारी की थी। इसमें अमेरिकी नागरिकों को सशस्त्र संघर्ष के खतरे के कारण कतर की यात्रा पर पुनर्विचार करने की सलाह दी गई थी। इस चेतावनी में पड़ोसी देश सऊदी अरब में यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों की ओर से किए गए हमलों का भी उल्लेख किया गया था।अमेरिकी फुटबॉल महासंघ ने बुधवार को एक पत्र के माध्यम से खिलाड़ियों को टूर्नामेंट से हटने के फैसले की जानकारी दी। ईएसपीएन के अनुसार, उसे यह पत्र प्राप्त हुआ है। महासंघ ने पत्र में कहा, हम आपको विश्व कप से पहले होने वाले अपने प्रशिक्षण शिविर और विश्व कप में हमारी नियोजित भागीदारी रद्द करने के कठिन फैसले की जानकारी देने के लिए लिख रहे हैं। हमें अपने उन खिलाड़ियों और कोचों की तैयारी पर बेहद गर्व है, जिन्होंने विश्व कप में अमेरिका का प्रतिनिधित्व करने के लिए मेहनत की है। दुर्भाग्य से, मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए, जिनमें कतर के लिए अमेरिकी विदेश विभाग की लेवल-3 यात्रा चेतावनी और दूतावास के कर्मचारियों तथा उनके परिवारों के लिए जारी संबंधित निर्देश शामिल हैं, अब हमारे लिए इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेना संभव नहीं है। हमारे खिलाड़ियों और स्टाफ का कल्याण हमेशा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगा। अमेरिकी फुटबॉल कलेक्टिव ने सबसे पहले अमेरिका के टूर्नामेंट से हटने की खबर दी थी।48 टीमों का यह टूर्नामेंट 19 नवंबर से शुरू होगा और इसका फाइनल 13 दिसंबर को खेला जाएगा। अमेरिका की अंडर-17 टीम के मुख्य कोच एलेक्स एल्डाज ने पिछले सप्ताह टूर्नामेंट के लिए 21 सदस्यीय टीम की घोषणा की थी। अमेरिका को 21 नवंबर को मोंटेनेग्रो के खिलाफ अपना पहला मुकाबला खेलना था।

नर्मदा तट पर कल से शुरु होगा छट पूजन का आयोजन

दो दिन तक सूर्य सष्टी की पूजन के लिए बनती है विशेष छटा



नर्मदापुरम। इटारसी (निप्र)। सूर्य सष्टी पूजन के पर्व छट पूजन का महत्व अब नर्मदा तट पर भी बढ़ता जा रहा है। मां नर्मदा के तट पर सूर्य सष्टी का आयोजन बीते कुछ वर्षों से होने लगा है। एक दिन सूर्यास्त् की पूजन की जाती है। और एक दिन सूर्यादय से पूर्व ही बिहार क्षेत्र के लोगों का मुख्य पर्व भक्ति भाव से मनाया जाता है।

इस मौके पर सुबह और शाम को बडी संख्या में श्रद्धालु विशेष कर महिलाएं उत्साह के साथ उपस्थित होती हैं। पवन कुमार ने बताया कि हर वर्ष की तरह छट पूजन का आयोजन भक्ति भाव से होगा। जिसकी तैयारियां जारी हैं। इस मौके पर महिलाएं गुड़ और अदरक खाकर व्रत धारण करती हैं। सूर्य देव के उदय होने के पूर्व ही अनेक श्रद्धालु महिलाएं मां नर्मदा के तट सेठानी घाट पर सपरिवार उपिस्थत होती हैं। वे व्रत रखते हुए सूर्यदेव की पूजन करती हैं। एक बार डूबते हुए सूर्य तथा दूसरे दिन उदय होने से पूर्व नर्मदा की जलधारा में खडे रहती हैं। सूर्य की पहली किरण के उदय होते ही अर्घ दिया जाता है। इसी के साथ सूर्य देव की पूजन की जाती है। इस पर्व को लेकर पर्व से जुडे हुए लोगों में विशेष उत्साह बना हुआ है। सूर्य सष्टी की पूजन के लिए नर्मदा तट पर एक विशेष छटा बन जाती है। बडी संख्या में श्रद्धालु सपरिवार आते हैं।

कायस्थ महासभा का यम द्वितीया पर श्री चित्रगुप्त पूजन एवं दीपावली मिलन समारोह हर्षोल्लास से संपन्न

बच्चों ने सांस्कृतिक गतिविधियों में लिया हिस्सा, वरिष्ठ जनों का हुआ सम्मान बड़ी संख्या में शामिल हुए चित्रांश बंधु







नर्मदापुरम (निप्र)। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा, नर्मदापुरम के तत्वावधान में यम द्वितीया पर (भाई दूज) श्री चित्रगुप्त पूजन एवं दीपावली मिलन समारोह श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ श्री चित्रगुप्त मंदिर, कोठी बाजार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कायस्थ समाज के चित्रांश बंधुओं ने सपरिवार बड़ी संख्या में उपस्थित होकर भगवान श्री चित्रगुप्त जी की पूजा-अर्चना की तथा समाज की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम जिलाध्यक्ष शैलेन्द्रनाथ श्रीवास्तव के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर भगवान श्री चित्रगुप्त जी का आकर्षक श्रृंगार कर विधि-विधान से पूजन, हवन, कलम-दवात पूजन एवं आरती की गई। इसके पश्चात उपस्थित समाजजनों को प्रसाद वितरण किया गया। शाम 7 बजे से सामाजिक सद्भाव एवं दीपावली मिलन का कार्यक्रम आयोजित हुआ। पूजन में मुख्य यजमान मीनाक्षी अजय निगम रहे।कार्यक्रम में प्रभात कंस्ट्रकशन से मुकेश श्रीवास्तव एवं कायस्थ समाज के प्रांतीय सचिव राजीव खरे सहित समाज के अनेक वरिष्ठजन एवं गणमान्य नागरिक शामिल हुए। कार्यक्रम में वीणा वाणी सस्था के संस्थापक (अध्यक्ष) आनंद नामदेव एवं श्रीराम सेवक परसाई उपस्थित रहे कार्यक्रम की प्रस्तुति ऋतु कुलश्रेष्ठ के मनमोहक भजन द्वारा की गई।

कार्यक्रम में ये गणमान्यजन रहे उपस्थित

कायस्थ समाज के शिव कुमार श्रीवास्तव,राजेश कुलश्रेष्ठ,आर के वर्मा,आलोक कुलश्रेष्ठ,अजय निगम,पवन सक्सेना, प्रांतीय सचिव राजीव खरे,मुकेश कानूनगो,अशोक श्रीवास्तव,अजय श्रीवास्तव ,विजय प्रकाश श्रीवास्तव,बृजेश श्रीवास्तव,अनिल सक्सेना, शरद श्रीवास्तव,दीपक सक्सेना, मुकेश श्रीवास्तव, आलोक श्रीवास्तव,भानु श्रीवास्तव, अतुल श्रीवास्तव, सुरेंद्र श्रीवास्तव,डॉक्टर दिनेश श्रीवास्तव, सजेंद्र श्रीवास्तव, अनूप श्रीवास्तव,सौरभ सक्सेना,लता सक्सेना, प्रतिभा खरे, मीनाक्षी निगम,सीमा कुलश्रेष्ठ, सपना श्रीवास्तव,रवि सक्सेना,जयवाला निगम,रक्षा श्रीवास्तव,कल्पना श्रीवास्तव, अर्पणा श्रीवास्तव,उमा श्रीवास्तव,निधि श्रीवास्तव राखी श्रीवास्तव,अल्पना श्रीवास्तव,रश्मि कुलश्रेष्ठ,ज्योत्सना खरे, कुलदीप श्रीवास्तव, श्रीप्रकाश खरे एवं रुचि सक्सैना सहित बड़ी संख्या में चित्रांश बंधु एवं मातृशक्ति उपस्थित रहीं।

बच्चों की सांस्कृतिक गतितिधियों ने मन मोहा

महिला जिला अध्यक्ष लता सक्सेना ने बताया कि प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी बच्चों के लिए रंगोली,पेटिंग, नृत्य एवं फैंसी ड्रेस प्रतियोगिताओं जैसी सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के पश्चात मातृशक्ति एवं समाज के वरिष्ठ जन द्वारा सभी बच्चों को पुरस्कार देकर पुरस्कृत किया गया एवं समाज के वरिष्ठ जनों का माला श्रीफल से सम्मान किया गयायुवा मंडल अध्यक्ष भानु श्रीवास्तव द्वारा कार्यक्रम के पश्चात समाज के सभी लोगों को सामाजिक गतिविधियों से अवगत कराया एवं आगामी आयोजनों की जानकारी भी दी गई।

सामाजिक एकता और सद्भाव का संदेश

कार्यक्रम में समाजजनों की भारी उपस्थिति से आयोजन समिति में उत्साह देखने को मिला। सभी ने एक-दूसरे को दीपावली एवं यम द्वतीया की शुभकामनाएं दीं। आयोजन के माध्यम से सामाजिक एकता, पारिवारिक सद्भव और नई पीढ़ी को समाज की धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं से जोड़ने का संदेश दिया गया।समाज की और से सभी चित्रांश परिवारों से भविष्य में भी सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों में इसी प्रकार सपरिवार शामिल होने का आह्वान किया गया, ताकि समाज में आपसी प्रेम, सहयोग और एकजुटता की भावना मजबूत बनीं रहे। कार्यक्रम का समापन स्नेह भोज के साथ हुआ।

शहर में शुरु हुई रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था

नपाध्यक्ष व सीएमओ के निर्देश पर रात में भी हो रही सफाई, सतरस्ता से मेन रोड तक चमकने लगीं सड़कें

अलसुबह नर्मदा स्नान को जाने वाले श्रद्धालुओं को मिल रही राहत

नर्मदापुरम (निप्र)। शहर को स्वच्छता के शिखर पर ले जाने के लिए नगर पालिका ने कमर कस ली है। नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी वैभव देशमुख के निर्देशन में शहर के प्रमुख बाजारों और मुख्य मार्गों पर रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था का आगाज कर दिया गया है। इसका सीधा असर यह है कि अब सुबह आंख खुलते ही शहरवासियों को सड़कें चकाचक और धूल-मुक्त नजर आ रही हैं।

प्रमुख चौराहों और बाजारों में चला विशेष अभियान

स्वच्छता नोडल अधिकारी अनुराग तिवारी ने बताया कि रात्रिकालीन सफाई का यह सिलसिला



अब निरंतर जारी रहेगा। अभियान के तहत बीते दो दिनों से सफाई मित्रों की टीम रात के सन्नाटे में शहर को संवारने में जुटी है। बुधवार रात को शहर के हृदय स्थल सतरस्ता, इंदिरा चौक, जयस्तंभ चौक और मेन रोड पर विशेष सफाई अभियान चलाकर कचरे का उठाव और झाड़ू लगाने का कार्य किया गया।

श्रद्धालुओं को ध्यान में रखकर लिया निर्णय

कार्तिक माह जारी है, जिसमें प्रतिदिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु ब्रह्म मुहूर्त में मां नर्मदा के घाटों पर स्नान करने जाते हैं। श्रद्धालुओं को सुबह के समय स्वच्छ और पवित्र वातावरण मिले, इस उद्देश्य से नगर पालिका ने रात में ही मुख्य मार्गों को साफ करने की पहल शुरू की है।

नपाध्यक्ष और सीएमओ की अपील

नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं सीएमओ वैभव देशमुख ने शहर के समस्त नागरिकों और दुकानदारों से इस अभियान में सहभागी बनने का आग्रह किया है। उन्होंने अपील की है कि व्यापारी रात में दुकानें बंद करते समय कचरा सड़क पर न फेंकें, बल्कि निर्धारित डस्टबिन या कचरा गाड़ी में ही डालें ।

त्यौहार पर बिजली ने सताया, अघोषित कटौती से नागरिक हुए परेशान

नर्मदापुरम (निप्र)। रोशनी के पर्व दीपावली के एक दिन पूर्व से ही बिजली की अव्यवस्था सामने आने लगी थी। दीप पर्व के दूसरे दिन भी गडबडाई। भाईदूज के अवसर पर शाम के समय अचानक बिजली गुल हो गई। जो काफी देर बाद सुचारू हो सकी। बिजली कंपनी ने दीपावली के अवसर पर जरूर बिजली की व्यवस्था ठीक रखी। लेकिन त्यौहार के एक दिन पूर्व और दूसरे दिन ही बिजली का इस तरह गुल होने से उपभोक्ताओं में नाराजगी बनी हुई थी। लोग कह रहे थे कि बिजल कंपनी ने दीपावली पर बिजली देकर दूसरे दिन ही अघोषित कटौती कर पूरी कसर निकाल ली है। बिजली की इस तरह की गड़बड़ी से पेयजल की दिक्कतें होती हैं। यह समस्या आज की नहीं है। हर कभी आए दिन इस तरह की नौबत आ जाती है। लेकिन बिजली कंपनी के अफसरों के द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है। व्यवस्था में कोई सुधार नहीं किया जा रहा है।

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी नर्मदापुरम

क्रमांक/निविदा शाखा/2026-27 क्रमांकः 6725/2026/NDPM-COLL/दिनांक 05-11-2026

ई-निविदा आमंत्रण

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिषन भोपाल के निर्देषानुसार वित्तीय वर्ष 2026-27 में एनीमिया स्क्रीनिंग हेतु Cuvette Based Digital Hemoglobinometer (DHB) Device का विकेन्द्रीकृत क्रय किया जाना है।

इस हेतु Government e-Marketplace (GeM) पोर्टल पर निम्नानुसार निविदा प्रकाषित की गई है:-

GeM Bid No.:- GEM/2026/B/8235813

कार्यः- Cuvette Based Digital Hemoglobinometer (DHB) Device की आपूर्ति

निविदा फार्म प्राप्त करने की तिथि :	-10/11/2026	10:00
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि :	-10/11/2026	10:00 बजे से 30/11/2026 18:00 बजे तक
निविदा खुलने की तिथि :	-01/12/2026	11:00 बजे

इच्छुक एवं पात्र विक्रेता/फर्में पोर्टल के माध्यम से निर्धारित शर्तो। एवं समय सीमा के अनुसार ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत कर सकते है। निविदा की विस्तृत शर्तें, तकनीकी विनिर्देष, पात्रता एवं अन्य जानकारी GeM पोर्टल पर उपलब्ध है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला नर्मदापुरम् द्वारा बिना कारण बताये किसी भी अथवा सभी निविदाओं को अस्वीकार अथवा निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

स्थान- कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी नर्मदापुरम्

डॉ. नरसिंह गेहलोत
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
नर्मदापुरम्
दूरभाष 07574-252464

जी/21360/26

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें, अपनी व दूसरों की जान बचायें

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिटंर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com

